वार्षिक रिपोर्ट

1969-70

संगीत नाटक अकादेमी नई दिल्ली

वार्षिक रिपोर्ट

1969-70

संगीत नाटक अकादेमी नई दिल्ली

वार्षिक रिपोर्ट 1969-70

विषय सूची

डा० जाकिर हुसैन को श्रद्धांजलि		...	1
अकादेमी का संगठनात्मक स्वरूप		...	1-3
अकादेमी पुरस्कार 1969		...	3-4
पुरस्कार वितरण समारोह		...	4
सम्मानित एवं पुरस्कृत व्यक्तियों की सूची		...	4
पुस्तकालय और संगीत श्रवण कक्ष		...	5
संस्थाओं को वित्तीय सहायता		...	5
रिकार्डिंग स्टुडियो		...	6-8
प्रकाशन		...	8-10
अकादेमी की गतिविधियाँ		...	10 17
संगीत-नृत्य-नाटक समारोह		...	17-18
संगीत और विज्ञान पर विचार-गोष्ठी		...	18-19
योजनागत कार्यक्रम		..	19-25
सूचना सेवा		...	25-26
राज्य अकादेमियों के सचिवों का सम्मेलन		...	26-27
राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय		...	27-34
कत्थक केन्द्र		...	34-36
जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी		...	36-38
हिसाब-किताब		...	38
परिशिष्ट			
31-3-70 को महासमिति के सदस्य	—परिशिष्ट-1	...	39-43
संगीत नाटक अकादेमी के रत्न-सदस्य एवं पुरस्कार विजेता	— परिशिष्ट-2	...	44-51
1969-70 में संस्थाओं और राज्य अकादेमियों को स्वीकृत अनुदान	—परिशिष्ट-3,3क	...	52-57
संगीत नाटक अकादेमी के प्रकाशन	—परिशिष्ट-4	..	58-60
आय और व्यय के लेखे का विवरण	—परिशिष्ट-5,5क,6,7	..	61-79

वार्षिक रिपोर्ट
1969-70

डा० जाकिर हुसैन को श्रद्धांजलि

3 मई को राष्ट्रपति डा० जाकिर हुसैन के आकस्मिक देहावसान से राष्ट्र को भारी क्षति पहुँची। वे प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री होने के साथ-साथ सुरूचि संपन्न भी थे और कलाओं के विकास में सक्रिय रूप से भाग लेते थे। अकादेमी के समारोहों में उनकी उपस्थिति से एक विशेष गरिमा आ जाती थी और उनका संयत और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण राष्ट्र के सांस्कृतिक जीवन को मार्गदर्शन प्रदान करता था।

अपने सह-अकादेमियों के साथ संगीत नाटक अकादेमी ने भी डा० जाकिर हुसैन की मृत्यु पर हार्दिक संवेदना प्रकट की।

इस वर्ष मृत्यु ने संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्र में अकादेमी से संबद्ध कई विभूतियों को हमारे बीच से उठा लिया। ये थे:- 1967 में कर्नाटक गायन के अकादमी पुरस्कार विजेता श्री चितलपल्लि वेंकेट राव; सुप्रसिद्ध नाटककार और रंगमंच के महारथी आचार्य पी० के० अत्रे; 1961 में हिंदुस्तानी वाद्य-संगीत के अकादेमी पुरस्कार विजेता श्री कंठे महाराज; 1968 के कुचिपुडि नृत्य गुरु के अकादेमी पुरस्कार विजेता श्री चिन्ता कृष्ण मूर्ती।

अकादेमी इन दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

अकादेमी का संगठनात्मक स्वरूप

1860 के समिति-पंजीयन-कानून के अधीन 11 सितंबर 1961 को संगीत नाटक अकादेमी का पंजीयन हुआ। अकादेमी के उद्देश्यों तथा महासमिति, कार्यकारिणी

समिति और वित्त समिति के अधिकारों और कर्त्तव्यों का उल्लेख संगठन विषयक ज्ञापन तथा संगीत नाटक अकादेमी की नियमावली में किया गया है।

अकादेमी की सर्वोच्च सत्ता महासमिति में निहित है। कार्यकारिणी, जिस पर अकादेमी के प्रबंध का भार है, अकादेमी के क्रियाकलापों का सामान्य निर्देशन, नियंत्रण और देख-रेख करती है। वित्त-समिति का काम कार्यकारिणी समिति को वित्तीय मामलों में सहायता देना है। वित्तीय सलाहकार इस समिति का पदेन अध्यक्ष होता है।

अकादमी की महासमिति

31 मार्च 1970 को महासमिति के जो सदस्य थे उनकी सूची परिशिष्ट 1 में दी गई है।

कार्यकारिणी समिति

श्रीमती इंदिरा गांधी
श्री के० पी० एस० मेनन
श्री एस० आर० मेहता
श्री एस० चक्रवर्ती
डा० वी० एस० झा
डा० वी० के० नारायण मेनन
श्री एस० एन० मजूमदार
डा० वी० राघवन
श्रीमती मृणालिनी साराभाई
श्री जगदीशचन्द्र माथुर
श्री रामधारीसिंह दिनकर
स्वामी प्रज्ञानानन्द
श्री शंभु मित्र
श्री आद्य रंगाचार्य
श्री कोमल कोठारी

वित्त-समिति

श्री एस० आर मेहता
श्री एस० एन० मजूमदार
डा० वी० एस० झा
श्री जगदीशचन्द्र माथुर
डा० वी० के० नारायण मेनन

अकादेमी के अधिकारी

31 मार्च 1970 को अकादेमी के जो पदाधिकारी थे उनके नाम इस प्रकार हैं :

अध्यक्ष—श्रीमती इंदिरा गांधी
उपाध्यक्ष—श्री के० पी० एस० मेनन
वित्तीय सलाहकार—श्री एस० आर० मेहता
सचिव—डा० सुरेश अवस्थी

बैठकें

इस वर्ष महासमिति की बैठकें 10 अक्टूबर 1969 और 27 फरवरी 1970 को हुईं।

कार्यकारिणी समिति की बैठकें 12 जून 1969, 9 अक्टूबर 1969 और 26 फरवरी 1970 को हुईं।

वित्त-समिति की बैठकें 3 जून 1969, 4 अक्टूबर 1969, और 21 फरवरी 1970 को हुईं।

1969 का अकादेमी पुरस्कार

निम्नलिखित कलाकारों को 1969 में पुरस्कार के लिए चुना गया :—

संगीत

श्री राम चतुर मलिक	हिंदुस्तानी गायन
श्री दबीर खाँ	हिंदुस्तानी वादन (बीन)
श्री एम० एम० दंडपाणि देसीगर	कर्नाटक गायन
श्री देवकोटै ए० नारायण अयंगर	कर्नाटक वादन (वीणा)

नृत्य

श्री वाज़ेनकाटे कुंचु नायर	कथकलि
श्री थंगजाम ओझा चौबा सिंह	मणिपुरी
श्री तिरुवलापुत्तुर के० स्वामीनाथ पिल्लै	भरतनाट्यम (शिक्षण)
श्रीमती सितारा देवी	कत्थक

नाटक

श्री मन्मथ रॉय	नाट्य-लेखन (बंगला)
श्री हबीब तनवीर	नाट्य प्रस्तुतीकरण (उर्दू)
श्री एन० एन० पिल्लै	अभिनय (मलयालम)
श्री गहन चंद्र गोस्वामी	पारंपरिक रंगमंच (अंकिया नट)

पुरस्कार-वितरण समारोह

1969 का पुरस्कार-वितरण समारोह 25 फरवरी, 1970 को राष्ट्रपति श्री वी० वी० गिरि की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिन्होंने आमंत्रित श्रोताओं के सम्मुख संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्रों में विख्यात 12 कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किये। इस अवसर पर अकादेमी ने संगीत, नृत्य और नाटकों के सप्तदिवसीय समारोह का आयोजन किया जिसमें पुरस्कारप्राप्त कलाकारों ने भाग लिया।

सम्मानित एवं पुरस्कृत व्यक्तियों की सूची

इस सूची में संगीत, नाटक तथा नृत्य के क्षेत्रों में रत्न-सदस्यता और पुरस्कार प्राप्त करने वाले कलाकारों के नाम दिए गए हैं (देखिए परिशिष्ट 2)।

पुस्कालय तथा संगीत-श्रवण-कक्ष

1969-70 में अकादमी पुस्तकालय 910 पुस्तकों की वृद्धि की गयी। इनमें से 749 पुस्तकें खरीद द्वारा प्राप्त हुई 128, पुस्तकें विभिन्न संस्थाओं, व्यक्तियों और दूतावासों से उपहार के रूप में प्राप्त हुई और 33 पुस्तकें अकादेमी की सहायता से प्रकाशित ग्रंथ हैं। पत्रिकाओं तथा समाचार पत्रों की कतरनों का संचयन भी जारी रहा।

डिस्क रिकार्ड संग्रहालय, जो अकादेमी की एक अत्यन्त मूल्ययान सेवा है, प्रति वर्ष प्रगति कर रहा है। 1969-70 में 630 रिकार्ड खरीदे गए और 261 रिकार्ड प्रधानमंत्री के निजी संग्रह तथा विभिन्न दूतावासों से उपहार-स्वरूप प्राप्त हुए। पुस्कालय तथा विशेषत: श्रवण कक्ष से विद्वानों तथा विद्यार्थियों ने बहुत लाभ उठाया।

संस्थाओं को वित्तीय सहायता

अकादेमी ने संगीत, नृत्य तथा नाटक के क्षेत्रों में काम करने वाली विभिन्न संस्थाओं को 1969-70में वित्तिय सहायता जारी रखा। 19 69-70 में जिन संस्थाओं को अनुदान दिए गए उनके नाम, रकम, तथा अनुदान का उद्देश्य-इन सब बातों की सूची परिशीष्ट 3 में दी गई है।

इन नियमित अनुदानों के अतिरिक्त, उपाध्यक्ष के विशेषाधिकरों से 18,000। रुपये का अनुदान विशिष्ट कार्यों के लिए दिया गया। अनुदान की यह राशि छाऊ नृत्य समारोह और गोष्ठी में भाग लेने वाले विशेषज्ञों को तथा कलकता के नाटक-समारोह के लिए कुचिपुडि और यक्षगण समारोह के लिए भगवत मेला नृत्य और नाटक के आयोजन के लिए और नाटक में बहुरुपी मंडली के प्रदर्शन आदि के लिए दी गयी।

रिकार्डिंग स्टूडियो

आवश्यक तथा श्रेष्ठ उपकरणों से युक्त रिकार्डिंग स्टूडियो की सहायता से अकादेमी को अपने शास्त्रीय तथा पारंपरिक संगीत के कार्यक्रमों की रिकॉर्डिंग के काम को अधिक व्यवस्थित और व्यापक रूप देने में सफलता मिली। रिकार्डिंग की सुविधा सांस्कृतिक संस्थाओं तथा अन्य कलाकारों को भी प्राप्त है, जिसके लिए उनसे 30 रुपए प्रति घंटे के हिसाब से फीस ली जाती है। इसके अतिरिक्त संगीत-संस्थाओं को अपने उपयोग के लिए इस स्टुडियो में टेप-संगीत डब करने की सुविधा भी प्राप्त है। शास्त्रीय-संगीत की रिकार्डिंग से संबंद्ध अकादेमी के नियमित कार्यक्रम के अतिरिक्त इस वर्ष लोक-संगीत, आदिवासी संगीत तथा नाट्य-संगीत की भी रिकार्डिंग की गई जिनकी टेप-प्रतियाँ अकादेमी के टेप-संगीत संग्रहालय में रखी हैं।

इस वर्ष निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्यक्रम रिकार्ड किए गए।

(क) शास्त्रीय संगीत

आर० के० सूर्य नारायण—वीणा (कर्नाटक)	$1\frac{1}{2}$ घं०
बनारस की बड़ी मोतीबाई—कंठ संगीत	1 घं०
रसूलन बाई—कंठ संगीत	1 घं०
आर० पिचुमणि—वीणा (कर्नाटक)	2 घं०
ए० रामलिंग भगावतार—कंठ संगीत (कर्नाटक)	3 घं०
मल्लिकार्जुन मन्सूर—कंठ संगीत (हिंदुस्तानी)	2 घं०
दबीर खाँ—वीणा (हिंदुस्तानी)	2 घं०
राम चतुर मलिक—कंठ संगीत (हिंदुस्तानी)	2 घं०
टी० एन० राजरत्नम्—नागस्वरम् (कर्नाटक)	$1\frac{1}{2}$ घं०

(ख) लोक संगीत

हरियाणा का लोक संगीत	22 घं०
उत्तर प्रदेश का लोक संगीत	25 घं०

(ग) लोक रंग मंचीय संगीत और गाथागीत

उत्तर प्रदेश का ढोला, निहाल्डे, डांगलीला	19 घं०
राजस्थान का पाबुजी का पद	12 घं०
मध्य प्रदेश का माच	6 घं०
हरियाणा का नौटंकी, गोपीचंद, हीररांभा, गुगा पीर	5 घं०
आसाम का अंकिया नट	3 घं०
मणिपुर का संकीर्तन	2 घं०

(घ) अन्य संगीत

छाऊ नृत्य संगीत	4½ घं०
कथकलि	2 घं०
वेद मंत्रोच्चारण (ए० एन० भट्टाचार्य)	1 घं०
तमिल पारंपरिक संगीत (पी० एस० वेदाचलम)	2 घं०
केतजक (घन) रामायण	1 घं०
कुचिपुडि नृत्य-संगीत (वेदांतम् सत्यनारायण शर्मा)	2 घं०
रवीन्द्र संगीत (ज्योत्रिन्द्र मोइत्रा)	1½ घं०
मुस्लिम धार्मिक संगीत (युनुस हुसैन खाँ)	2 घं०
ओडिसी नृत्य-संगीत और अष्टपदी (रखाल मोहन्ती)	2½ घं०
बेगम अख्तर	2½ घं०
मुतुस्वामी दिक्षितर की कृति (एस० श्रीनिवास राव)	2½ घं०
तेवाराम और त्रिउप्पुकल (दंडपाणि देसीगर)	2½ घं०
पुरातन शास्त्रीय नाटकों के गीत (गंगाप्रसाद पाठक)	1 घं०

संस्थाओं और अनुसंधानकर्ताओं को अकादेमी के संग्रहालय से शास्त्रीय और लोकसंगीत की प्रतियाँ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन दिया गया। संगीत के विस्तृत प्रसार और परिबोध में यह अत्यंत सहायक सिद्ध हुआ। इस वर्ष देश-विदेश की अनेक संस्थाओं और संगीत-विभागों ने इससे लाभ उठाया। इस संदर्भ में इंस्टीच्यूट फॉर कम्पेरेटिव म्युज़िक स्टडीज़ एण्ड डॉक्युमेन्टेशन, पश्चिमी जर्मनी, जापानी संस्था, टोकियो और प्रोफेसर कैगन, अमरीका, डा॰ रिचमंड, मिशिगन विश्वविद्यालय, एन मैरी ग्रोव्स, कनाडा, मर्लिन थर्सबी, ड्यूक विश्वविद्यालय, विशेष उल्लेखनीय हैं।

प्रकाशन

संगीत, नृत्य और नाटक से संबंधित ज्ञान के प्रसार के लिए इन विषयों पर पुस्तकों का प्रकाशन अकादेमी का एक प्रमुख कार्य है। अपनी पुस्तकें प्रकाशित करने के अलावा अकादेमी अन्य संस्थाओं और व्यक्तियों को आवश्यक वित्तीय सहायता देकर इन विषयों पर पुस्तकें प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहन देती है। यह सहायता दो प्रकार से दी जाती है, बिना छपी पांडुलिपि के प्रकाशन के लिए सीधे अनुदान देकर और, दूसरे, प्रकाशित पुस्तकों को काफी संख्या में खरीद कर। इन पुस्तकों को, जो लगभग सभी भाषाओं में होती है, सामान्यत: विश्वविद्यालयों, पुस्तकालयों और इन कलाओं में रुचि रखने वाले व्यक्तियों को मुफ्त बाँटा जाता है।

वित्तीय सहायता के लिए आए आवेदनपत्रों को सर्वप्रथम विशेषज्ञों की प्रकाशन-समिति छाँटती है। इस समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं :

श्री के. पी. एस. मेनन (अध्यक्ष)
डा॰ वी॰ राघवन
श्री अशोक मित्र
डा॰ महेश्वर नियोग
डा॰ के॰ सी॰ टी॰ ब्रहस्पति
स्वामी प्रज्ञानानंद
श्री ए॰ रामकृष्ण राव

प्रकाशन समिति की सिफारिश पर कार्यकारिणी समिति, जिसे वित्तीय सहायता के संबंध में अंतिम निर्णय लेने का अधिकार है, वित्तीय अनुदान की मंजूरी देती है।

अनुदान

इस वर्ष अकादेमी ने निम्नलिखित अनुदान स्वीकृत किए :

'नटरंग' पत्रिका के प्रकाशन के लिए 1,000 रुपए।
'संगीत कला विहार' के प्रकाशन के लिए 2 000 रुपए।
'ऐनेक्ट' पत्रिका के लिए 1,500 रुपए।
'जर्नल ऑफ दि म्युज़िक एकेडेमी, मद्रास, के प्रकाशन के लिए 3,000 रुपये।

अकादेमी ने इस वर्ष निम्नलिखित पुस्तकें खरीदीं :

'सुरेलेखा', लेखक—कालीचरण पटनायक	50 प्रतियाँ
'सप्तस्वरी', लेखक—कालीचरण पटनायक	50 प्रतियाँ
'मार्ग', छाऊ नृत्य अंक	50 प्रतियाँ
'फन्डामेन्टल्स ऑव राग एण्ड ताल' —निखिल घोष लिखित स्वरलिपि की नई प्रणाली	25 प्रतियाँ
'गायनी कला' लेखक—एच० वी० दत्य	25 प्रतियाँ

अकादेमी ने यह भी निर्णय लिया कि निम्नलिखित पुस्तकें प्रकाशन के बाद खरीदी जाएँ :

(१)	'सत्रिय डान्स एण्ड देयर रिदम्स'	लेखक—महेश्वर नियोग
(२)	'राजस्थान के लोक वाद्य'	लेखक—कोमल कोठारी
(३)	'शतरंज के मोहरे'	लेखक—हबीब तनवीर

इस वर्ष आर्थिक सहायता देकर निम्नलिखित पुस्तकें प्रकाशित की गईं :

'स्यामसस्त्रलावारी रचनालु', लेखक—श्री और श्रीमती एन० सी पार्थसार्थी

'कूठानूल', सम्पादक—एस० डी० सुब्रह्मण्य योगी

'दक्षिणत्युलानाट्यकला चरित्र', लेखक—नटराज रामकृष्ण

'संगीत सम्प्रदाय प्रदर्शनी', ग्रंथ III

'कुचिपुडि आराधना नृत्यमुलु', लेखक—सी० आर० आचार्युलु

अकादेमी के प्रकाशन

अकादेमी की त्रैमासिक पत्रिका 'संगीत-नाटक' प्रत्येक मार्च, जून, सितंबर और दिसंबर में निकलती है। इस वर्ष 11 से 14 तक अंक निकाले गए। इस पत्रिका का प्रकाशन नवंबर 1965 में प्रारंभ हुआ और तब से अब तक विषय-सामग्री और मुद्रण तथा सज्जा की दृष्टि से इसने उच्च स्तर कायम रखा है। इसकी एक प्रति का मूल्य 3 रुपए और वार्षिक मूल्य 10 रुपए है।

अकादेमी का समाचार-बुलेटिन मास में दो बार नियमित रूप से निकलता है। इस बुलेटिन में सांस्कृतिक गतिविधियों के समाचार होते हैं और अकादेमी के कार्यों में रुचि रखने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों को यह मुफ्त बाँटा जाता है।

प्रस्तावित प्रकाशन

पत्रिका और समाचार—बुलेटिन के अलावा, 1970-71 में जिन प्रकाशनों को हाथ में लेने का विचार है, वे हैं :

'त्यागराज कृतियाँ'—ग्रंथ-I
कम्पेनियन टु इन्डियन म्युज़िक—भाग-1

अकादेमी के पास बिक्री के लिए जो किताबें उपलब्ध हैं उनकी सूची परिशिष्ट 4 में दी गई है।

अकादेमी की गतिविधियाँ

गायन तथा संगीत-गोष्ठियां

10 अप्रैल 1969

भारत के युवा तथा होनहार संगीतज्ञों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से अकादेमी ने श्री आर० के० सूर्यनारायण का वीणा-वादन प्रस्तुत किया।

अकादेमी के प्रकाशन

अकादेमी की त्रैमासिक पत्रिका 'संगीत-नाटक' प्रत्येक मार्च, जून, सितंबर और दिसंबर में निकलती है। इस वर्ष 11 से 14 तक अंक निकाले गए। इस पत्रिका का प्रकाशन नवंबर 1965 में प्रारंभ हुआ और तब से अब तक विषय-सामग्री और मुद्रण तथा सज्जा की दृष्टि से इसने उच्च स्तर कायम रखा है। इसकी एक प्रति का मूल्य 3 रुपए और वार्षिक मूल्य 10 रुपए है।

अकादेमी का समाचार-बुलेटिन मास में दो बार नियमित रूप से निकलता है। इस बुलेटिन में सांस्कृतिक गतिविधियों के समाचार होते हैं और अकादेमी के कार्यों में रुचि रखने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों को यह मुफ्त बाँटा जाता है।

प्रस्तावित प्रकाशन

पत्रिका और समाचार—बुलेटिन के अलावा, 1970-71 में जिन प्रकाशनों को हाथ में लेने का विचार है, वे हैं :

'त्यागराज कृतियाँ'—ग्रंथ-I
कम्पेनियन टु इन्डियन म्युज़िक—भाग-1

अकादेमी के पास बिक्री के लिए जो किताबें उपलब्ध हैं उनकी सूची परिशिष्ट 4 में दी गई है।

अकादेमी की गतिविधियाँ

गायन तथा संगीत-गोष्ठियां

10 अप्रैल 1969

भारत के युवा तथा होनहार संगीतज्ञों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से अकादेमी ने श्री आर० के० सूर्यनारायण का वीणा-वादन प्रस्तुत किया।

11 अप्रैल 1969

अंतर्राष्ट्रीय कथकलि केन्द्र के सहयोग से अकादेमी ने रवीन्द्र भवन के खुले मैदान में कलामंडलम् श्री कृष्णन नायर की टोली का कथकलि नृत्य-गायन प्रस्तुत किया। 'मोहिनी रुगमंगदा', 'कीचकावधम्', और दुर्योधनावधम्' नामक तीन प्रसिद्ध कथकलि-नाटकों में से कुछ अश प्रस्तुत किए गए। इसमें कथकलि प्रस्तुत करने की केरल की परंपरागत मंच-सज्जा की सृष्टि करने का प्रयास किया गया जिसमें खुले मैदान में बिना मंच के नृत्य प्रस्तुत किया गया और तीनों ओर दर्शकों के बैठने की व्यवस्था की गई। यह आयोजन आम जनता के लिए खुला था और 2000 से भी अधिक दर्शकों ने इसे देखा।

4 और 5 जून, 1969

विभिन्न प्रदेशों के दुर्लभ और विशिष्ट नृत्य, नाटक और संगीत शैलियों को प्रस्तुत करना अकादेमी के नियमित कार्यक्रम का एक अंग है। इस सिलसिले में अकादेमी ने रवीन्द्र भवन के खुले मैदान में पुरुलिया (पश्चिमी बंगाल) के 'छाऊ' नृत्यों का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में 40 कलाकारों ने भाग लिया। यह आयोजन आम जनता के लिए खुला था और भारी संख्या में दर्शकों ने इसे देखा। दिल्ली में पुरुलिया के छाऊ' नृत्यों का यह पहला प्रदर्शन था। अकादेमी ने इससे मयूरभंज (उड़ीसा) और सेराइकेला (बिहार) के 'छाऊ' नृत्य प्रस्तुत किये थे।

11 नवंबर 1969

अकादेमीने हंगरी के राष्ट्रपति महामहिम पाल लोसोन्स्जी और श्रीमती लोसोन्स्जी के सम्मान में राष्ट्रपति भवन में भारतीय संगीत और नृत्य का एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में 'ओडिसी' नृत्य (संयुक्ता पाणिग्रही) 'मणिपुरी' नृत्य (त्रिवेणी) 'तालवाद्य कचेरी' (आकाशवाणी वाद्य वृन्द) और 'कत्थक' नृत्य (उमा शर्मा) प्रस्तुत किए गए।

20 नवंबर 1969

गुरू नानकदेव के पंचशती समारोह के अवसर पर शिक्षा मंत्रालय की ओर से

अकादेमी ने गुरू के गीतों पर आधारित एक संगीत-कार्यक्रम का आयोजन किया।

25 नवंबर 1969

इन्टरनेशनल यूनियन फॉर कन्जरवेशन ऑफ नेचर एण्ड नेचुरल रिसोर्सेज़ की 10वीं आम सभा में आए प्रतिनिधि मंडल के सम्मान में अकादेमी ने मावलंकार भवन में भारतीय संगीत और नृत्य का एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विदेशी प्रतिनिधि मंडल ने इस कार्यक्रम की बड़ी सराहना की।

10 दिसंबर 1969

महामहिम डा० एस० रामगुलाम के सम्मान में अकादेमी ने भारतीय संगीत और नृत्य का एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। भाग लेने वाले कलाकार थे : कुमकुमदास (ओडिसी), भारती गुप्ता और तीर्थ अजमानी (कत्थक), सोनल मानसिंह (भरत-नाट्यम) और बेगम अख्तर (बिहार के पारंपरिक गीत)।

15 जनवरी 1970

अकादेमी ने बर्मा के अध्यक्ष महामहिम जनरल ने विन के सम्मान में भारतीय संगीत और नृत्य का एक कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम राष्ट्रपति भवन में हुआ और इसमें श्रीमती कमला (भरतनाट्यम) और श्री अमज़द अली (सरोद) ने भाग लिया।

महामाहिम जनरल ने विन के सम्मान में प्रधानमंत्री द्वारा अपने घर में दिए गए प्रीतिभोज के पश्चात अकादेमी ने लोकनृत्य का एक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम प्रधानमंत्री के घर के लॉन में आयोजित किया गया।

28 जनवरी 1970

अकादेमी ने बेल्जियम के राजा और रानी के सम्मान में भारतीय संगीत और नृत्य का एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम राष्ट्रपति भवन के अशोक हॉल में आयोजित किया गया और इसमें कुमारी पद्मसुब्रह्मण्यम (भरतनाट्यम्), श्रीमती

शरण रानी (सरोद), कुमारी नंदिनी कृष्णमूर्ति (कुचिपुडि) और उमा शर्मा (कत्थक) ने भाग लिया ।

13 फरवरी 1970

विदेश मंत्री श्री दिनेश सिंह द्वारा पश्चिम जर्मनी के वाइस चांसलर और विदेश मंत्री के सम्मान में दिए गए प्रीतिभोज के पश्चात् अकादेमी ने संगीत और नृत्य का कार्यक्रम प्रस्तुत किया । यह कार्यक्रम विदेश मंत्रालय की ओर से अशोक होटल में आयोजित किया गया था । इस कार्यक्रम में 'ओडिसी' (नृत्य निकेतन द्वारा), 'भरतनाट्यम्' और 'कुचिपुडि' (नंदिनी कृष्णमूर्ति) और सितारवादन (सर्वजीत कौर) प्रस्तुत किए गए ।

25 फरवरी 1970

अकादेमी का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली, में संपन्न हुआ । समारोह के पश्चात् श्रीमती श्रीनिवासन ने 'भरतनाट्यम' प्रस्तुत किया ।

25 फरवरी से 4 मार्च 1970

अकादेमी के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर संगीत, नृत्य तथा नाटकों का सप्तदिवसीय समारोह आयोजित किया गया जिसमें इस वर्ष के पुरस्कृत कलाकारों ने भाग लिया । ये कार्यक्रम आम जनता के लिए खुले थे और दिल्ली के हजारों नागरिकों ने इन्हें देखा । (देखिए पृष्ठ 16-17)

विचार-गोष्ठियाँ

मई 1969

केन्द्रीय संगीत नाटक अकादेमी के सहयोग से उड़ीसा संगीत नाटक अकादेमी ने भुवनेश्वर में मई के प्रथम सप्ताह में मयूरभंज के 'छाऊ' नृत्यों के समारोह और विचार गोष्ठी का आयोजन किया । इस समारोह के आयोजन के लिए राज्य अकादेमी

को 5,000 रुपए का विशेष अनुदान दिया गया। अकादेमी ने देश के विभिन्न भागों से चार नर्तकों और नृत्य कला निर्देशकों को इस समारोह तथा विचार गोष्ठी में प्रेक्षक के रूप में भेजा।

27 मार्च से 30 मार्च 1970

अकादेमी ने रवीन्द्र भवन में संगीत और विज्ञान पर चार दिन की एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया। इस गोष्ठी में पहली बार देश भर के संगीतज्ञ, संगीत-शास्त्री और वैज्ञानिक एकत्र हुए और उन्होंने संबंधित विषय पर विचारों का आदान-प्रदान किया और इस क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की वस्तुस्थिति का लेखा जोखा किया। (देखिए पृष्ठ 17)

व्याख्यान प्रदर्शन

3 जून 1969

अकादेमी ने कलकत्ते के लोक संस्कृति अनुसंधान संस्था के अध्यक्ष डा० आशुतोष भट्टाचार्य द्वारा 'पुरुलिया के छाऊ नृत्य' पर एक वार्ता-प्रदर्शन का आयोजन किया।

6 अगस्त 1969

अकादेमी ने 'बंध नृत्य' (उड़ीसा की पारंपरिक नृत्य-शैली) पर एक वार्ता-प्रदर्शन आयोजित किया। व्याख्या श्री जीवन पाणि द्वारा यथा प्रदर्शन कुमारी विजय लक्ष्मी द्वारा किया गया और इसका आयोजन रवीन्द्र भवन में आमंत्रित दर्शकों (नर्तकों, नृत्य-शिक्षकों और कलाकारों) के सम्मुख किया गया।

22 अगस्त 1969

अकादेमी ने रवीन्द्र भवन में डा० कपिला वात्स्यायन द्वारा ब्रज क्षेत्र की रास-परंपरा के संदर्भ में कत्थक नृत्य" पर एक वार्ता-प्रदर्शन का आयोजन किया। नृत्य-प्रदर्शन कुमारी उमा शर्मा द्वारा और स्लाइडों की सहायता से किया गया।

22-23 सितम्बर 1969

अकोदमी ने राष्ट्रीय नाट्यविद्यालय में अमरीका के अतिथि नृत्य-शिक्षक श्री लोनी गॉर्डन द्वारा एक वार्ता-प्रदर्शन का आयोजन किया जिसमें भारी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

स्वागत समारोह

14 सितम्बर 1969

अकोदमी ने बालीनीज डांस एण्ड म्युजिक एन्सेंबल के सदस्यों के सम्मान में एक स्वागत समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर अतिथियों के सम्मुख संक्षिप्त नृत्य-गायन कार्यक्रम में चार मुख्य नृत्य 'भरतनाट्यम', 'कत्थक', 'कथकलि' और 'मणिपुरी' प्रस्तुत किए गए। अतिथि मंडली और अकादेमी के बीच प्रतीक-उपहारों का आदान-प्रदान हुआ।

19 फरवरी 1970

भारत से विदाई लेने से पूर्व श्री मोइसेयेव के सम्मान में अकादेमी ने एक स्वागत-समारोह का आयोजन किया। श्री मोइसेयेव ने रूस के लोक नृत्यों पर किए गए अपने कार्यों और भारत के नृत्यों के संबंध में अपनी प्रतिक्रियाओं पर प्रकाश डाला। इस समारोह में अनेक स्थानीय नर्तकों, नृत्य निर्देशकों और संबंधित कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

नृत्य कार्य शिविर

22-23 सितंबर 1969

अकोदमी ने अमरीका के अतिथि नृत्य शिक्षक श्री लोनी गॉर्डन के निर्देशन में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, रवीन्द्र भवन, में दो दिन का एक नृत्य कार्यशिविर आयोजित किया। श्री गॉर्डन यू० एस० आई० एस० के निमंत्रण पर भारत आए हुए थे। नाट्य विद्यालय तथा स्थानीय नृत्य-शिक्षा-केन्द्रों के लगभग 50 विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया।

सांस्कृतिक ग्रादान-प्रदान कार्यक्रम

प्रसिद्ध रूसी लोक नृत्य निर्देशक श्री आइगर मोइसेयेव भारत सरकार के अतिथि के रूप में चार सप्ताह के लिए भारत आए। यह निमंत्रण 1969-70 में भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय द्वारा दिया गया था। श्री मोइसेयेव 21 जनवरी 1971 को भारत आए और 20 फरवरी 1970 को लौटे। मास्को द्वारा नियुक्त हिंदी और अंग्रेजी की शासकीय दुभाषिया श्रीमती राया एगोरोवा भी उनके साथ थीं।

श्री मोइसेयेव का यात्राक्रम संगीत नाटक अकादेमी द्वारा तैयार किया गया। प्रथम सप्ताह में वे दिल्ली में रहे जहां उन्होंने स्थानीय नृत्य-शिक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया तथा नृत्य-शिक्षाशास्त्रियों से भेंट और वार्ता की। चूंकि उस समय भारत के विभिन्न राज्यों की लोक नृत्य मंडलियां दिल्ली में ही थी, इसलिए श्री मोइसेयेव ने तालकटोरा बाग में उनका रिहर्सल और राष्ट्रीय स्टेडियम में उनका प्रदर्शन देखा।

30 जनवरी से 3 फरवरी, 1970 तक श्री मोइसेयेव ने ग्वालियर में नृत्यकला विशेषज्ञों की एक कार्य-शिविर का आयोजन किया। यह कार्य-शिविर ग्वालियर के लिटल बैले ट्रुप के सहयोग से आयोजित किया गया। इस कार्य शिविर में अकादेमी ने देश भर में इस नृत्यकला विशेषज्ञों को आमंत्रित किया, जिनमें से पांच ने इसमें भाग लिया। मध्य प्रदेश कला परिषद (राज्य अकादेमी) ने इस शिविर के लिए देश भर में लगभग 25 नृत्य-शिक्षकों और नृत्य निर्देशकों को प्रेक्षक के रूप में आमंत्रित किया। कार्यशिविर का विषय था। "तत्कालीन रंगमंच के लिए लोकनृत्य का अनुकूलन।"

श्री मोइसेयेव मद्रास, कोचीन, बम्बई और उदयपुर भी गए जहां उन्होंने मुख्य स्थानीय नृत्य-केन्द्र, और शास्त्रीय तथा लोकनृत्य देखे।

अकादेमी ने श्री मोइसेयेव तथा उनके शासकीय दुभाषिया श्रीमती राया इगोरोवा को अपने कुछ प्रकाशन भेंट किए।

विविध

12 अप्रैल, 1969

अकादेमी द्वारा प्रकाशित डा० कपिला वात्स्यायन की पुस्तक "क्लासिकल

इंडियन डांस इन लिटरेचर एण्ड द आर्ट्स'' के विमोचन के सिलसिले में अकादेमी ने एक समारोह का आयोजन किया ।

7 और 8 जुलाई, 1969

अकादेमी ने रवीन्द्र भवन में आमंत्रित श्रोताओं के सम्मुख टेप किए गए लोक तथा आदिवासी संगीत का एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया । यह कार्यक्रम हाल ही में विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर रिकार्ड किए गए टेप-संगीत पर आधारित था । इसमें आसाम बंगाल, जम्मू, गुजरात, उड़ीसा और राजस्थान से धार्मिक तथा अन्य प्रकार की लोक तथा आदिवासी संगीत सम्मिलित था । इस अवसर पर हरियाणा के पारंपरिक गाथा गायकों द्वारा एक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया ।

संगीत-नृत्य-नाटक समारोह

वार्षिक पुरस्कार वितरण के अवसर पर अकादेमी ने संगीत नृत्य और नाटक के एक सप्तदिवसीय समारोह का आयोजन किया । इस कार्यक्रम में जिन कलाकारों ने भाग लिया वे इस वर्ष के पुरस्कार विजेता थे । यह समारोह वार्षिक पुरस्कार वितरण की विशिष्टता है और राजधानी में एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक घटना बन गया है । इस समारोह के प्रति जनता ने बड़ा उत्साह प्रकट किया तथा हजारों की संख्या में उपस्थित होकर अपनी अभिरुचि का परिचय दिया । ये सभी कार्यक्रम रवीन्द्र भवन के खुले मैदान में विस्तृत शामियाने के नीचे आयोजित किए गए और दिल्ली के लगभग 15 हजार दर्शकों ने इन्हें देखा । कुछ कार्यक्रम मावलंकर भवन में भी आयोजित किए गए । समारोह में कला-संबंधी विविधता थी और कला का उच्च स्तर कायम रखा गया था । इस समारोह में प्रस्तुत किए गए कार्यक्रमों की दैनिक सूची इस प्रकार है :

25 फरवरी	श्रीमती राधा श्रीनिवासन (भरतनाट्यम्)
26 फरवरी	'आगरा बाजार' (उर्दू नाटक) (प्रस्तुतकर्ता श्री हबीब तनवीर)
27 फरवरी	मोहम्मद दबीर खाँ (वीणा) श्री वाजेन्कट सी० कुन्चु नायर (कथकलि)

28 फरवरी	श्री राम चतुर मलिक (हिंदुस्तानी कंठ संगीत) श्री दंडपणि देसीगर (कर्नाटक कंठ संगीत)
1 मार्च	श्री देवकोट्टई नारायण अयंगर (वीणा) श्रीमती सितारा देवी (कत्थक)
2 मार्च	श्री ओझा थंगजाम ओझा चौबा सिंह (मणिपुरी) (संकीर्तन) श्री गहनचंद्र गोस्वामी (अंकिया नट)
4 मार्च	धर्मघाट (बंगला नाटक) लेखक : श्री मन्मथ रे, प्रस्तुत-कर्ता : चतुर्मुख (कलकत्ता)

संगीत और विज्ञान पर विचार गोष्ठी

अकादेमी ने 27 मार्च से 30 मार्च 1970 तक 'संगीत और विज्ञान' पर चार दिन की एक विचारगोष्ठी का आयोजन किया। उक्त विषय पर विचारों का परस्पर आदान-प्रदान करने तथा इस क्षेत्र में किए गए कार्यों का वर्तमान प्रगति का लेखा-जोखा करने के उद्देश्य से देश के विविध भागों से संगीतकार, संगीतशास्त्री और वैज्ञानिक गोष्ठी में आए।

हमारे देश में संगीत शास्त्रीय अनुसंधान मुख्यतः ऐतिहासिक पक्ष तक सीमित रहा है। पिछले कुछ दशकों में प्राचीन पाठों के अध्ययन, उनके काल निर्धारण लेखक-निर्धारण और तत्कालीन संगीत से उनके संबंध-निर्धारण के क्षेत्र मे काफी महत्वपूर्ण कार्य किये गये हैं। लेकिन शास्त्रगत विचारों और तकनीकों के आधार पर संगीत के अध्ययन के क्षेत्र में बहुत कम काम हुआ है। विज्ञान, विशेषतः ध्वनि-इंजीनियरी रेडियो-प्रसारण और सामाजिक विज्ञानों, के क्षेत्र में हुई आधुनिक प्रगति के संदर्भ में यह अनुभव किया जाने लगा है कि अब इस बात पर गंभीर विचार किया जाना चाहिए कि ये विज्ञान संगीत शास्त्रीय अनुसंधान में किस प्रकार सहायक हो सकते हैं।

विभिन्न ज्ञान-क्षेत्रों के विद्वानों को परस्पर विचार-विमर्श के लिए एक स्थान पर एकत्र करने के अलावा, गोष्ठी का एक प्रयोजन यह भी था कि इस विचार-विमर्श के आधार पर प्रस्तावित संगीत-विज्ञान की प्रयोगशाला के लिए कार्य की एक रूपरेखा निश्चित की जा सके।

इस विचार गोष्ठी में निम्नलिखित प्रतिनिधियों ने भाग लिया :—

प्रो० सी० आर० शंकरन और श्री के० एस० सम्पत (दि ऐल्फा-फ़ोनिमा फोन्वायड एंड टुवर्ड्स एक्सपेरिमेन्ट्स ऑन दि अल्टिमेट 'युनिट' ऑव स्पीच); डा० बी० सी० देव (सम प्राबलम्स इन साइंस एंड म्युजिक एक्स्प्लोरेशन्स इन पॉसिबिलिटीज); श्री सुधिभूषण भट्टाचार्य (समाज और संस्कृति में संगीत का स्थान); डा० के० सी० डी० बृहस्पति (जति गायन); श्री डब्ल्यू० जे०, हैडन. जुनियर (ऑन एकूस्टिक्स ऑव विन्ड इंस्ट्रूमेन्ट्स); ठाकुर जयदेव सिंह (एइस्थेटिक्स ऑव हिंदुस्तानी म्युजिकल फॉर्म्स): प्रो० एन्टशर लोबो (बेसिक म्युजिकल इन्टरवल्स एन्ड कलर सिम्बॉलिज्म); डा० एस० वी० मोदक (ऑटोमेटिक म्युजिकल इन्सट्रूमेंट इन एड ऑव रिसर्च इन म्युजिक); डा० एम० पन्चोली (एकूस्टिक्स ऑव आडिटोरिया); डा० किरित पारिख (रोल ऑव कम्प्युटर इन म्युजिक रिसर्च); डा० (मिसेज) प्रेमलता शर्मा (रस सिद्धांत और भारतीय संगीत); श्री टी० एन० राजन (ए क्लासिफिकेशन स्कीम फॉर इन्डियन म्युजिक लिटरेचर); श्री जी० एन० रामभद्रन (कम्युनिकेशन एंड म्युजिक); श्री एस० रामनाथन (साइन्टिफिक प्रॉबलम्स इन दि कन्सट्रक्शन ऑव म्युजिकल इन्सट्रुमेन्ट्स); डा० एस० रामस्वामी (वाइस कल्चर); प्रो० वी० वी० सदगोपन (एइस्थैटिक्स ऑव सम कर्नाटक म्युजिकल फॉर्म्स); प्रो० आर० सत्यनारायण (श्रुति: दि स्केलिक फाउन्डेशन); प्रो० एस० के० सक्सेना (दि फेब्रिक ऑव आमद—ए स्टडी ऑव फॉर्म एन्ड फ्लो इन हिंदुस्तानी म्युज़िक); श्री ओ० वर्के (क्लैसिफिकेशन एन्ड प्रिजर्वेशन ऑव डिस्क्स); श्री के० के० वर्मा (टुवर्ड्स ए बेटर अन्डरस्टेन्डिंग आव दि टोनल डाइनेमिक्स एंड आर्किटेक्टॉनिक्स ऑव दि इन्डियन मेलोडिक सिस्टम); श्री के० जी० वीरमानी (एक्सपेरिमेन्टल साइकॉलॉजी एन्ड इन्डियन म्युज़िक)।

योजनागत कार्यक्रम

इस वर्ष अकादेमी में पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं पर काफी अधिक काम किया। ये परियोजनाएँ हैं :

1. लोक संगीत, लोक नृत्य और लोक नाटक का सर्वेक्षण और प्रलेखन
2. अकादेमी संग्रहाकार का विकास
3 संगीत विज्ञान में अनुसंधान
4. संगीत और नृत्य के शिक्षकों को विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए शिक्षावृत्ति

चौथी पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत समस्त योजनावधि के लिए उक्त परियोजनाओं के लिए 20 लाख रुपए की रकम निर्धारित की गई है। 1969-70 के दौरान उक्त परियोजनाओं के लिए 2.50 लाख रुपए की व्यवस्था की गई थी। संशोधित बजट में 2,35,800 रुपए की व्यवस्था की गई, लेकिन वास्तविक व्यय 2,16,991,64 रुपए हुआ।

1. लोक-कलाओं का सर्वेक्षण और प्रलेखन

इस परियोजना के अंतर्गत अकादेमी ने संगीत, नृत्य और नाटक संबंधी पारंपरिक लोक कलाओं के व्यवस्थित और वैज्ञानिक प्रलेखन के कार्य को और आगे बढ़ाया। इस वर्ष जिन क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया गया वे हैं : आसाम, नेफा, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, केरल, मैसूर, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और गोआ।

कुल मिलाकर 250 घंटे के विविध लोक संगीत रिकार्ड किये जा चुके हैं। ये लोक संगीत विभिन्न क्षेत्रों तथा अकादेमी के स्टुडिओ में रिकार्ड किए गए और इनमें गाथा-गीत, लोक नाटक और पारंपरिक गीत आदि शामिल हैं।

रिकार्ड किए गए गाथा गीत इस प्रकार हैं : राजस्थान का 'पाबुजी का पद'; मथुरा का 'ढोला', 'निहाल्डे' और जिक्करी भजन; 'निहाल्डे', 'हीर रांझा', 'कंसोगढ़ की लड़ाई', 'दानवीर कर्ण', 'पथरीगढ़ की लड़ाई'; हरियाणा का 'गोपीचन्द', 'तज्जो बहन', 'सदाशिव राव', 'राव तुलाराम', 'अकबर की लड़ाई', गोआ का 'हरीशचन्द्र आख्यान', 'सागर राजा आख्यान', 'रामायण', 'द्रोपदी स्वयंवर'।

जिन लोक तथा पारंपरिक नाटकों की रिकार्डिंग की गई उनमें निम्नलिखित विशेष उल्लेखनीय हैं : दो 'अंकिया नट' नाटक—'रासलीला' और 'परिजता हरनाम' (आसाम); केरल का प्राचीनतम उपलब्ध नाटकरूप 'मुदेइत्तु', मैसूर के दक्षिण कन्नड़ क्षेत्र के चार पूर्ण 'यक्षगण' नाटक; वाराणसी के रामलीला संगीत का एक अंश; मध्य प्रदेश के दो 'माच' नाटक; उत्तर प्रदेश का एक 'नौटंकी' नाटक; और आंध्र प्रदेश का 'विधिनाटकम्' और 'भाम कलापम'।

मणिपुर के 'संकीर्तन', मुतुस्वामी दिक्षितर की 'क्रितिस' आदि जैसे पारंपरिक

और सुगम शास्त्रीय संगीत की विशेष रिकार्डिंग भी की गई। कुछ प्राचीन नाट्य-संगीत की भी रिकार्डिंग की गई।

मैसूर की चर्मपुतलियों का संगीत, उड़ीसा, तमिलनाडु और गोआ के मंदिर-संगीत, केरल और गोआ के विवाह गीत और नाविक गीत, केरल के मपिला संगीत और नेफा के तिब्बती संगीत की भी रिकार्डिंग की गई।

निम्नलिखित नृत्य संगीत की रिकार्डिंग की गई।—केरल की 'तेय्यम', 'कथकलि', 'कूतियोट्टम' और अन्य शैलियाँ; आसाम का 'बिहु' नृत्य; दक्षिण कन्नड़ (मैसूर) का 'भूत' नृत्य; उड़ीसा का 'ओडिसी'; आन्ध्र प्रदेश के 'कुचिपुडि', 'यक्षगणम् और भगवतम्, नृत्य; गोआ का 'ढालो' और 'खेल'। रिकार्डिंग कार्य की एक विशेषता थी गाथा गीत और लोक गीतों में प्रयुक्त धुनों की सोदाहरण रिकार्डिंग। रिकार्डिंग का अधिकांश कार्य विभिन्न क्षेत्रों से विशिष्ट रूप से आमंत्रित मंडलियों द्वारा अकादेमी के स्टुडियों में ही किया गया।

फिल्म और फोटोग्राफ

अकादेमी के संग्रहागार में 16 मिलिमीटर के 3,500 फीट लंबी रंगीन फिल्म और श्वेत-श्याम और रंगीन लगभग दो हजार फोटो और संग्रह किए गए।

इस वर्ष निम्नलिखित शैलियों के फिल्म तथा फोटो लिए गए।

आसाम का 'बिहु' नृत्य
पुरुलिया का 'छाऊ' नृत्य
केरल के 'मुदेइत्तु' और 'तेय्यम' नृत्य
राजस्थान का 'पाबुजी का पद'
मयूरभंज का 'छाऊ' नृत्य
वाराणसी का 'रामलीला'
कुलू के लोक नृत्य
मैसूर में उत्तर तथा दक्षिण कन्नारा का 'यक्षगण'
बेलारी में कुंडापुर की चर्मपुतलियाँ
मंगलौर का 'भूत' नृत्य

आंध्र का 'कुचिपुडि' नृत्य
गोआ के 'ढालो' और 'खेल' नृत्य
आसाम का 'अंकिया नट'
मणिपुर का 'संकीर्तन'

आलोच्य वर्ष में क्षेत्र-प्रलेखन और विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित कला-समारोहों के प्रेक्षण के लिए प्रलेखन-एकक ने निम्नलिखित स्थानों का दौरा किया : पुरुलिया (पश्चिम बंगाल), सुंदरगढ़ (उड़ीसा), जमागुरीहट और जोरहट (आसाम), सेइजुशा (नेफा), वाराणसी, नैनीताल और मथुरा (उत्तर प्रदेश) कुलू (हिमाचल), उडिपि (मैसूर), तिरुवनंतपुरम् और अल्लेपि (केरल), बारदेज मदगांव, कोणाकोन, जम्बावली (गोआ), भोपाल (मध्य प्रदेश), हैदराबाद (आंध्र)।

टेप रिकार्डिंग और फोटो तथा फिल्म के अतिरिक्त अकादेमी ने नये रिकार्ड किए गए गीतों, गाथागीतों और नाटकों के लिखित पाठ भी एकत्र किए हैं।

लोगों के जातीय तथा समाजशास्त्रीय तथ्यों को एकत्र करने के अतिरिक्त, रिकार्ड की गई निम्नलिखित शैलियों के लिखित पाठ भी एकत्र किए गए हैं :

लोक गीत

उड़ीसा के 140 आदिवासी गीत, अंग्रेजी अनुवाद सहित। आसाम के 'बिहु' और विवाह-गीत।

अनुष्ठान संबंधी गीत

केरल के 'तेय्यम' गीत, जिनमें कुरून्तिनी, गंधर्व, यक्ष और विष्णुमूर्ति नामक चार पात्रों का वर्णन है।

नाटक

'दरिका वादम्' नामक एकमात्र उपलब्ध 'मूदेइत्तु' नाटक का दुर्लभ पाठ।

गाथाएँ

हरियाणा का 'सदाशिवराव भाव, राव तुलाराम', मथुरा (उत्तर प्रदेश) के 'निहाल्दे,' दो 'जिक्कारी' भजन, गोवा के 'हरीशचन्द्र आख्यान,' 'सागर राजा आख्यान', 'रामायण', 'द्रोपदी स्वयंवर', आदि ।

2. अकादेमी संग्रहालय का विस्तार

अकादेमी के पास संगीत वाद्य यंत्रों की एक छोटी-सी दीर्घा है । इस वर्ष दीर्घा में नई प्रदर्शन-मंजूषाएँ खरीदी गई और देश के विभिन्न भागों से एकत्र किए गए 200 से अधिक लोक तथा आदिवासी संगीत वाद्य यंत्र प्रदर्शित किए गए । अब यह योजना है कि दीर्घा आम जनता के लिए खोल दी जाए और वाद्य यंत्रों के फोटो एलबम और लोक संगीत के टेप बिक्री पर उपलब्ध हो सके ।

इस वर्ष अकादेमी ने संग्रहालय के लिए निम्नलिखित वस्तुएँ प्राप्त कीं ।

1. वाद्य यंत्र	10
2. चर्म पुतलियाँ	181
3. कठपुतलियाँ	21
4. पेपरमेशे मुखौटे	31
5. काष्ठ निर्मित मुखौटे	1
6. 'छाऊ' मुखौटे ('पुरुलिया' शैली के)	37
7. पोशाकें	एक सेट मणिपुरी नृत्य में प्रयुक्त राधा-कृष्ण की पोशाक
	एक सेट पुरुलिया 'छाऊ' नृत्य में प्रयुक्त पोशाक
	एक सेट पुरुलिया 'छाऊ' नृत्य में प्रयुक्त राम और लक्ष्मण की पोशाक (धोती)
	एक सेट कुमाउँ (पिथौरागढ़) की 'साहुआ भुटिया' पोशाक

एक सेट नेफा के खाम्पाओं द्वारा प्रयुक्त 'शामु पक्ष (टोपी)
एक सेट लामाओं की टोपी
एक सेट औराँव लोक नृत्य की पोशाक

8. टोपी

'छाऊ' मुखौटे के लिए 'तापार' (शीर्ष आभूषण)	22
राधा-कृष्ण (मथुरा रासलीला)	2 सेट

मुखौटों और पुतलियों के संग्रह का कार्य नियोजित कार्यक्रम के अनुसार चल रहा है। 1970-71 में मुखौटों और पुतलियों की एक प्रदर्शनी करने का प्रस्ताव है।

3. संगीत विज्ञान में अनुसंधान

आवश्यक वैज्ञानिक उपकरणों के अभाव में इस परियोजना पर कार्य नहीं हो सका। फिर भी संगीत विशेषाधिकारी ने राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला में कुछ प्रारंभिक कार्य किया है। कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए "संगीत और विज्ञान" विषय पर मार्च के अंतिम सप्ताह में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में देश के विभिन्न भागों से संगीतकारों, संगीत शास्त्रियों और वैज्ञानिकों ने भाग लिया और इस विषय पर परस्पर विचार-विमर्श किया तथा इस क्षेत्र में हो रहे कार्यों की वर्तमान स्थिति का लेखा-जोखा किया। विभिन्न ज्ञान क्षेत्रों के विद्वानों के बीच विचारों के परस्पर आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करने के अतिरिक्त इस गोष्ठी का एक प्रयोजन यह भी था कि संगीत विज्ञान की प्रस्तावित प्रयोगशाला के लिए कार्यक्रम की एक रूपरेखा तैयार की जा सके।

4 संगीत और नृत्य में शिक्षकों को विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए शिक्षावृत्ति

शिक्षा मंत्रालय द्वारा तैयार की गई इस योजना को अकादेमी कार्यान्वित करेगी। विभिन्न विषयों जैसे ध्रुपद, पखावज और वीणा के लिए उपयुक्त उम्मीदवार उपलब्ध

न होने के कारण इस योजना पर कार्य नहीं हो सका। शिक्षावृत्ति के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों के चुनाव का प्रयत्न किया जा रहा है।

सूचना सेवा

देश के विभिन्न भागों में संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्रों में काम कर रही संस्थाओं के बीच सांस्कृतिक जानकारी का आदान-प्रदान सम्भव कराने के उद्देश्य से एक छोटी-सी 'सूचना-यूनिट' संगठित की गई है जो इस कार्य को अधिक व्यवस्थित ढंग से करती है।

1. संगीत-नृत्य और नाटक की ग्रंथसूची

सूचना यूनिट ने अंग्रेजी में नृत्य, संगीत और नाटक की एक ग्रंथ सूची प्रकाशित की और व्यक्तियों को उसकी प्रतियाँ भेजीं। यह ग्रंथ सूची अत्यन्त उपयोगी सिद्ध हुई। यूनिट अब संगीत, नृत्य और नाटक पर मुख्य भारतीय भाषाओं में उपलब्ध ग्रंथों की एक इसी प्रकार की संदर्भिका तैयार कर रही है। मराठी, बंगाली और हिन्दी से संबंधित ग्रंथ-सूची संकलित की जा चुकी है। आशा है कि दूसरे वित्तीय वर्ष के दौरान कुछ भाषाओं की ग्रंथ सूचियां प्रकाशित की जा सकेंगी।

2. बहु-भाषी रंगमंच शब्दावली

यूनिट ने इससे पूर्व 1500 तकनीकी शब्दों की एक अंग्रेजी हिन्दी रंगमंच शब्दावली संकलित की थी। यह शब्दावली विभिन्न भारतीय भाषाओं के रंगमंच विशेषज्ञों को अवलोकनार्थ भेज दी गई है ताकि बहुभाषी शब्दावली के लिए विभिन्न भाषाओं के पर्याय संकलित किए जा सकें।

3. मनोरंजन-कर और सेंसर संबंधी विवरण

सूचना यूनिट ने विभिन्न राज्यों में लागू मनोरंजन-कर और प्रदर्शन-कलाओं पर लागू सेंसर सबंधी नियमों और कार्य प्रणालियों का संकलन किया है। समस्त राज्यों

और केन्द्र शासित क्षेत्रों से संबंधित तालिकाबद्ध विवरण विभिन्न संस्थाओं और राज्य सरकारों को भिजवा दी गई है। राज्य-सरकारों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे मनोरंजन-कर और रंगमंच सेंसर के संबंध में इसी प्रकार की तथा कुछ अधिक एकरूप नियम और कार्य-प्रणाली अपनाएँ।

4. संगीत, नृत्य और नाटक समारोहों का तिथिपत्रक

सूचना यूनिट ने संगीत, नृत्य और नाटक समारोहों का तिथिपत्रक तैयार कर लिया है। इस तिथिपत्रक में आधुनिक तथा पारंपरिक संगीत, नृत्य और नाटक संबंधी सभी समारोहों की जानकारी राज्यवार और शैलीवार दी गई है। इसकी साइक्लोस्टाइल-प्रतियाँ समस्त देश में तथा विदेश स्थित भारतीय दूतवासों और सांस्कृतिक संस्थाओं को और इस क्षेत्र में काम कर रहे कलाकारों और अनुसंधान-कर्ताओं को भेजी गई हैं। कुछ अतिरिक्त सामग्री का समावेश करने के बाद दूसरे वित्तीय वर्ष में इसे प्रकाशित करने की योजना है।

राज्य-अकादेमियों के सचिवों का सम्मेलन

राज्य संगीत नाटक अकादेमियों के सचिवों की दूसरी बैठक रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली में, 24 फरवरी 1970 को हुई। इस सम्मेलन का संयोजन केन्द्रीय संगीत नाटक अकादेमी ने किया था तथा 8 राज्य अकादेमियों के सचिवों ने इसमें भाग लिया। सम्मेलन में निम्नलिखित राज्यों का प्रतिनिधित्व था : पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, और जम्मू और कश्मीर। सम्मेलन की अध्यक्षता केन्द्रीय संगीत नाटक अकादेमी के सचिव ने की।

भाग लेने वाले सचिवों का स्वागत करते हुए अध्यक्ष महोदय ने इस बात पर जोर दिया कि संगीत, नृत्य और नाटक के विकास और उन्नति के लिए बनाए गए कार्यक्रमों को पूरा करने के लिए इस प्रकार की बैठकों द्वारा परस्पर सहयोग और सहायता प्राप्त की जा सकेगी। 1969 में हुई सचिवों की इस प्रकार की प्रथम बैठक से यह स्पष्ट हो चुका था कि परस्पर संपर्क के लिए इस प्रकार का सम्मेलन अत्यन्त उपयोगी है।

अध्यक्ष महोदय ने इसके बाद उन परियोजनाओं और कार्यक्रमों का एक सामान्य

परिचय दिया जो 1969-70 के दौरान संयुक्त तत्त्वाधान में शुरू किए गए। उन्होंने कहा कि चूंकि अकादेमी के पास धन सीमित है इसलिए केवल कुछ विशिष्ट परियोजनाओं, जैसे रंगमंच प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और पारंपरिक कला समारोह, के लिए ही अधीश अनुदान दिया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि यह बड़े सन्तोष की बात है कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत कई स्थानों पर पहली बार इन कलाओं के समारोह आयोजित किए गए और भारी संख्या में दर्शकों ने इन्हें देखा। केन्द्रीय अकादेमी के तकनीकी यूनिट ने इन समारोहों का लाभ उठाकर अपना प्रलेखन कार्य पूरा किया।

इसके बाद राज्य अकादेमी के सचिवों ने अपने-अपने क्रियाकलापों की संक्षिप्त रिपोर्टें प्रस्तुत कीं। अपनी भावी परियोजनाओं और कार्यक्रमों के संबंध में उन्होंने जो प्रस्ताव प्रस्तुत किए उन पर भी विचार-विमर्श किया गया। यह अनुभव किया गया कि अल्पकालिक रंगमंच प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की काफी माँग है और व्यवस्थित प्रलेखन कार्य की खास जरूरत है। कुछ खास परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई और उन्हें अंतिम रूप दिया गया।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच संस्थान

सलाहकार समिति

श्री अशोक मित्र (अध्यक्ष)
कर्नल प्यारे लाल
श्री मोहन राकेश
श्री शंभु मित्र
श्री जगदीशचन्द्र माथुर
प्रो० फ्रैंक ठाकुर दास
श्री जगत मुरारा
श्री आई० एल० दास
सचिव, संगीत नाटक अकादेमी
निर्देशक, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच संस्थान

अस्वस्थता के कारण श्री शंभु मित्र ने जुलाई 1969 से सलाहकार समिति में

सदस्य के रूप में कार्य करने में अपनी असमर्थता प्रकट की।

विद्यार्थियों का प्रादेशिक प्रतिनिधित्व

पहले वर्ष चुने गए 11 विद्यार्थियों में से केवल 9 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया। पहले वर्ष प्रादेशिक प्रतिनिधित्व इस प्रकार था :

दिल्ली	4
मैसूर	3
महाराष्ट्र	1
उत्तर प्रदेश	1

1969-70 में रेपरटरी कंपनी और विद्यार्थियों का क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व इस प्रकार था :

दिल्ली	11
उत्तर प्रदेश	2
मैसूर	5
पश्चिम बंगाल	1
महाराष्ट्र	5
जम्मू और कश्मीर	2
हरियाणा	1
उड़ीसा	1
आंध्र प्रदेश	2
हिमाचल प्रदेश	1
मध्य प्रदेश	1
अफ़गानिस्तान	1
दक्षिण अफीका	1

इनमें 14 लड़कियाँ और 20 लड़के थे।

नाटक प्रदर्शन

इस वर्ष के दौरान विद्यालय ने दिल्ली तथा दिल्ली से बाहर विभिन्न प्रकार के दर्शकों के सम्मुख निम्नलिखित नाटकों का प्रदर्शन किया :

(1.) असमा श्रोडन—गुजराती के भवाई लोक नाटक का हिन्दी अनुवाद

विद्यालय के सभी नाटकों में यह नाटक सबसे अधिक लोकप्रिय रहा और इसके पुन: प्रदर्शन की भारी माँग रही। अप्रैल 1969 में यह नाटक दो बार खेला गया।

(2.) ग्रीष्म कालीन नाटक समारोह

विद्यालय द्वारा प्रथम बार ग्रीष्मकालीन नाटक समारोह, कवितापाठ तात्कालिक प्रदर्शन और विद्यार्थियों की कृतियों का आयोजन किया गया। इनमें राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के पुराने स्नातकों की कृतियाँ तथा प्रदर्शन भी सम्मिलित हैं।

यह आयोजन मई 1969 में किया गया, जिसमें निम्नलिखित प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए :

(1) 'आधे अधूरे'	2	प्रदर्शन, दिशांतर द्वारा
(2) 'रंग भारत'	1	प्रदर्शन, कन्नड़ भारती द्वारा
(3) 'दि एलिफेन्ट काफ'	1	प्रदर्शन, विद्यालय द्वारा
(4) मराठी 'तमाशा'	1	प्रदर्शन, विद्यालय द्वारा
(5) 'ए ब्रेच्ट ईवनिंग'	1	प्रदर्शन, विद्यालय द्वारा
(6) दि ज़ू स्टोरी (मराठी में)	2	प्रदर्शन, विद्यालय द्वारा
(7) शुतुर्मुर्ग	1	प्रदर्शन, संकेत जयपुर द्वारा
(8) दि कॉकेशियन चॉक सर्कल	1	प्रदर्शन, विद्यालय द्वारा

(9) तात्कालिक प्रदर्शन एवं विरोध-कविता पाठ संध्या, विद्यालय द्वारा

यह ग्रीष्मकालीन समारोह भाग लेने वाले कलाकारों और दर्शकों दोनों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध हुआ, और दर्शकों को बहुत थोड़े समय में विविध प्रकार के प्रदर्शन देखने का अवसर मिला। साथ ही इससे विद्यालय को अपने पुराने स्नातकों से संपर्क स्थापित करने का अवसर मिला और देश में नाट्य लेखन तथा नाट्य प्रस्तुतीकरण से संबंधित वर्तमान समस्याओं का आकलन किया जा सका।

3. ओथेलो

विद्यालय के शीतकालीन नाटक समारोह में शेक्सपियर के 'ओथेलो' का उर्दू

अनुवाद रंगमंच पर प्रस्तुत किया गया। इस नाटक का अनुवाद श्री सज्जाद ज़हीर ने किया था। इस नाटक के 13 प्रदर्शन किए गए। इनमें से 10 प्रदर्शन अक्तूबर-नवंबर 1969 और मार्च 70 में विद्यालय के रंगमंच पर किया गया। सेंट स्टीफन्स कॉलेज और लेडी श्री राम कॉलेज में भी विद्यालय ने इस नाटक का एक-एक प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

4. चंडीगढ़ में प्रदर्शन

भारतीय राष्ट्रीय रंगमंच के तत्वाधान में दिसम्बर 1969 में चंडीगढ़ में नाटय प्रदर्शन प्रस्तुत करने के लिए विद्यालय को आमंत्रित किया गया। विद्यालय ने 'जसमा ओदन' और 'ओथेलो' नामक दो नाटक खेले। ये नाटक इतने लोकप्रिय हुए कि विशेषतः 'आथेलो' के प्रदर्शन में 200 से अधिक दर्शकों के लिए हाल में खड़े रहने की अतिरिक्त व्यवस्था करनी पड़ी। यदि मौका मिलता तो स्पष्टतः दोनों ही नाटक भरे हाल में कई दिनों तक खेले जा सकते थे।

5. बर्टल्ट ब्रेच्ट का "दि थ्री पेनी ऑपेरा"

सांस्कृतिक संबंधों के भारतीय परिषद, जर्मन प्रजातंत्र गणराज्य के व्यापार प्रतिनिधि मंडल और शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय के सौजन्य से विद्यालय ने श्री फ्रिट्ज बेनेवित्ज को आमंत्रित किया। श्री फ्रिट्ज बेनेवित्ज पूर्वी जर्मनी के सुप्रसिद्ध निर्देशकों में से हैं। उन्हें "दि थीरि पेनी ऑपेरा" के निर्देशन और प्रस्तुतीकरण के लिए विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ मिलकर काम करने के लिए 8 सप्ताह के लिए बुलाया गया था।

नाटक का मूल अनुवाद विद्यालय की पुरानी स्नातका श्रीमती सुरेखा सिकरी ने किया और गीतों का उर्दू अनुवाद हमारे विभाग की श्रीमती भाटिया ने संगीत निर्देशन श्री वनराज भाटिया ने किया जिन्होंने इतनी खूबी और कलात्मकता से संगीत का नियोजन किया कि श्री बेनेवित्ज इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा किए बिना नहीं रह सके। उन्होंने कहा कि 1920 में जर्मनी में ब्रेच्ट के नाटक के लिए कर्ट वील ने जितने प्रभाव पूर्ण संगीत का सृजन किया था उतने ही प्रभावपूर्ण संगीत की सृष्टि भारतीय संस्करण के लिए श्री भाटिया ने की है।

श्री बेनेवित्ज के साथ कार्य करने का यह अवसर विद्यार्थियों के लिए अत्यंत

उपयोगी और लाभप्रद सिद्ध हुआ। इसका यह परिणाम है कि उक्त नाटक दर्शकों के बीच अत्यंत सफल और लोकप्रिय सिद्ध हुआ।

इस नाटक के आठ प्रदर्शन विद्यालय की खुली रंगशाला में प्रस्तुत किए गए जिन्हें भारी संख्या में दर्शकों ने देखा और जिनकी आज भी भारी माँग है। 1970-71 के दौरान विद्यालय के नाटकों के रंगपटल में यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटना है।

6. दीक्षांत समारोह और डिप्लोमा तथा पुरस्कार वितरण

1968-69 में उत्तीर्ण विद्यालय के स्नातकों को डिप्लोमा तथा पुरस्कार वितरित करने के लिए दीक्षांत समारोह 13 अप्रैल, 1970 को किया गया। इस अवसर पर रात्रि को "दि थीरि पेनी ऑपेरा" का उद्घाटन किया गया।

सुप्रसिद्ध तेलुगु लेखक श्री आबुरी कृष्णराव ने दीक्षांत भाषण दिया और विद्यालय के स्नातकों को डिप्लोमा और पुरस्कार प्रदान किया।

डिप्लोमा और पुरस्कार पाने वाले स्नातकों के नाम इस प्रकार हैं :

1. कुमारी अमल अल्काज़ी —निर्देशन
   (क) इन्हें सर्वोतमुखी उत्कृष्ट छात्र का भरत पुरस्कार प्रदान किया गया।
   (ख) साथ ही सर्वोत्कृष्ट छात्र निर्माता का गिरीश घोष पुरस्कार भी इन्हें प्रदान किया गया।
2. श्रीमती प्रेमा कारन्थ —निर्देशन
3. श्री ए० राघवन —निर्देशन
4. श्रीमती श्यामा जैन —विद्यालय नाट्यकला
5. कुमारी उत्तरा बावकर —अभिनय
6. कुमारी सविता बजाज —अभिनय
7. कुमारी श्रीलता स्वामीनादन —अभिनय
8. श्रीमती सुरेखा सिकरी —अभिनय
9. श्री मुकुन्द नायक —अभिनय

1969 के स्नातक

1. श्री सुशील चौधरी	—निर्देशन
2. श्री बलराज पंडित	— निर्देशन
3 श्री कविरत्न शर्मा	— निर्देशन
4. कुमारी नईमा खाँ	—अभिनय
5. श्री जी० एस० निक्ते	—अभिनय
6. श्री महेश चंद्र	—नाट्यकला

7. जम्मू में अभिनय-पाठ्यक्रम

विद्यालय ने जम्मू और कश्मीर सांस्कृतिक अकादेमी को फरवरी 1970 से अभिनय कला पर एक पाठ्यक्रम प्रारंभ करने में सहायता दी। जम्मू और श्रीनगर के लगभग 40 विद्यार्थियों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया। पाठ्यक्रम का उद्घाटन श्री ई० अल्काजी ने किया जिन्होंने प्रारंभिक भाषण भी दिए और कक्षाएँ संचालित कीं। विद्यालय के पुराने स्नातक श्री कविरत्न शर्मा भी इस पाठ्यक्रम के आयोजन से संबद्ध थे। समस्त पाठ्यक्रम का संचालन श्री केमु की देख-रेख में हुआ।

8. कानपुर में रंगमंच-सज्जा पाठ्यक्रम

कानपुर के 'दर्पण' के तत्वाधान में रंगमंच सज्जा के सहायक प्रोफेसर श्री गोवर्धन पांचाल ने कानपुर में रंगमंच-सज्जा के एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम का नियोजन तथा संचालन किया। पाठ्यक्रम का उद्घाटन श्री ई० अल्काजी ने किया जिन्होंने प्रारंभिक भाषण भी दिए। पाठ्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों की कृतियों का एक प्रदर्शन आयोजित किया गया जिसकी दर्शकों और प्रेस दोनों ने काफी प्रशंसा की।

9. विद्यार्थियों के नाटक

अंतिम वर्ष के छात्रों ने निम्नलिखित नाटक प्रस्तुत किए :

(i) लंकेश का "परतें"	—निर्देशक : वेंकटराम
(ii) सींज का "राइडर्स टु दि सी"	— निर्देशक : माला थापर
(iii) रीगे का "रंगमंचालिका"	—निर्देशक : प्रतिभा मतकारी

इनके अतिरिक्त विजय तेंदुलकर के "चार दिन" का भी प्रदर्शन किया गया जिसका निर्देशन सुशील चौधरी ने किया ।

10. अतिथि विद्वानों द्वारा व्याख्यान तथा पाठ्यक्रम

इस वर्ष विद्यालय ने कई अतिथि विद्वानों द्वारा व्याख्यानों और पाठ्यक्रमों का आयोजन किया ।

बम्बई के प्रो० वसंत बापट ने अप्रैल 1969 में मराठी रंगमच पर तीन व्याख्यान दिए । इस व्याख्यानमाला में उन्होंने विशेष रूप से मराठी के "तमाशा" रूप तथा दो प्रसिद्ध अभिनेता गणपत राव वोदस और बालगंधर्व पर प्रकाश डाला ।

कुमारी निभा जोशी ने निम्नलिखित विषयों पर तीन व्याख्यान दिए :

(i) अजन्ता,
(ii) सिम्बॉलिज्म इन कलर इन इण्डियन मिनिएचर्स,
(iii) सिग्निफिकेन्स ऑफ कलर एण्ड डिज़ाइन इन ट्रेडिशनल टेक्सटाइल्स ।

यु० एस० आइ० एस० के सौजन्य से सितंबर 1969 में सुप्रसिद्ध अमरीकी नर्तक श्री लोनी जासेफ ने "डांस मूवमेन्ट वर्कशॉप" का संचालन किया ।

श्रीमती रीता कोठारी के निर्देशन में संगीतकार-मंडली ने भारतीय ताल-वाद्यों का प्रदर्शन प्रस्तुत किया ।

सुप्रसिद्ध चित्रकार श्री जतीन दास ने "डिज़ाइन के तत्त्व" पर एक पाठ्यक्रम संचालित किया जिसमें छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया ।

11. पुराने स्नातकों की गतिविधियाँ

1 नाट्य पर उच्च अध्ययन के लिए कुमारी अमल अल्काजी को जर्मन लोकतंत्र गणराज्य की ओर से आमंत्रण मिला । वे इस समय बर्लिनर एन्सेम्बल, वीमर, लीपजिग और ड्रेस्डेन में प्रतिष्ठित निर्देशकों के मार्ग निर्देशन में कार्य कर रही हैं । वे वीमर के स्थानीय निर्देशक श्री फ्रिट्ज़ बेने विल्ज़ के साथ आईं और "दि थीरि पेनी आपेरा" के निर्माण में उन्होंने उनकी सहायता की ।

2. श्री ओम शिवपुरी ने मोहन राकेश के "आधे-आधूरे" नाटक प्रस्तुत किया जो अत्यन्त सफल सिद्ध हुआ। इस नाटक का फिल्मांकन भी हो चुका है जिसमें नाटक के ही कलाकारों ने अभिनय किया है।

3. कुमारी सरिलता स्वामीनादन को इंग्लैण्ड में उच्च अध्ययन के लिए ब्रिटिश काउन्सिल छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। वे रॉयल कोर्ट थियेटर में कार्य करेंगी।

12. विदेशी छात्र और अनुसंधानकर्ता

अफगानिस्तान के छात्र श्री अब्बास शाहबान, जिन्होंने पिछले वर्ष विद्यालय में दाखिला लिया था, इस वर्ष (1969-70) भी प्रशिक्षण प्राप्त करते रहे।

ब्राजील के प्रो० एडवार्डो कैबस को भारतीय रंगमंच पर अध्ययन करने के लिए शिक्षावृत्ति प्रदान की गई। उन्होंने शिक्षा मंत्रालय के पारस्परिक छात्र वृत्ति योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण तथा अनुसंधान के लिए 19-1-70 को विद्यालय में दाखिला ले लिया है।

कत्थक केन्द्र

संगीत नाटक अकादेमी ने 1 अक्टूबर 1964 को भारतीय कला केन्द्र का कत्थक अनुभाग अपने अधीन ले लिया तथा इसके प्रबंध का भार भारतीय कला केन्द्र को सौंप दिया। कत्थक केन्द्र के प्रबंध का भार संभालने के लिए भारतीय कला केन्द्र ने एक सलाहकार समिति का संगठन किया। 16 जुलाई 1969 को अकादेमी ने कत्थक केन्द्र के प्रबंध का भार भारतीय कला केन्द्र से अपने हाथ में ले लिया।

विद्यार्थी संख्या

31-3-70 को विभिन्न कक्षाओं में विद्यार्थियों की संख्या 42 थी जब कि पिछले वर्ष 38 विद्यार्थी थे।

नृत्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम

कत्थक केन्द्र की छात्रवृत्ति पर (I, II और III वर्ष)	6
कत्थक केन्द्र की निःशुल्क छात्रवृत्ति पर	2
अन्य छात्र	1
भारत सरकार की छात्रवृत्ति पर	
'यंग वर्कर्स' छात्रवृत्ति	2
सामान्य सांस्कृतिक छात्रवृत्ति	1
विश्व भारती विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति	1

नृत्य (अल्पावधिक पाठ्यक्रम)

विदेशी छात्र	2
अन्य छात्र	6
प्राक्प्रवेश अनुभाग (नृत्य)	12
विशेष कक्षा (ठुमरी)	8
पखावज	1
योग	42

अध्यापक

श्री शम्भू महाराज	—कत्थक गुरू
श्री सुन्दर प्रसाद	—कत्थक गुरू
श्री बिरजू महाराज	—कत्थक गुरू
श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी	—गायन अध्यापक
श्री पुरुषोत्तम दास	—पखावज अध्यापक
श्री मणिका प्रसाद	—तबला अध्यापक
श्रीमती रेबा विद्यार्थी	—कत्थक अध्यापक

नृत्य दल

कत्थक केन्द्र के नृत्य दल में पाँच स्त्री-पुरुष नर्तक, और चार संगीतज्ञ हैं। इसके निर्देशक श्री बिरजू महाराज हैं। कत्थक शैली में नृत्य प्रदर्शन के लिए यह दल केन्द्र के साथ संबद्ध है।

इस नृत्य दल ने अप्रैल 1969 में मावलंकर हॉल, नई दिल्ली, में "होता है शबो रोज़ तमाशा मेरे आगे" का एक प्रदर्शन किया और सितम्बर 1969 में "कृष्णायन" के पाँच प्रदर्शन किए। दिसम्बर 1969 में प्रयाग संगीत समिति, इलाहाबाद में इसने "शाने अवध" का एक प्रदर्शन किया। इनके अलावा इस दल ने इस वर्ष के दौरान दिल्ली तथा दिल्ली से बाहर कई नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

परिणाम

निम्नलिखित 4 विद्यार्थी 1968-69 के सत्र में त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण हुए :

श्री प्रकाश चंद, श्री प्रकाश खां, श्रीमती विष्णु प्रिया पवार और श्री मनोरंजन जोशी।

श्री प्रकाश चंद और श्री प्रकाश खाँ को कत्थक केन्द्र की छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत छात्रवृत्तियां दी गई। श्रीमती विष्णु प्रिया पवार को प्रथम वर्ष कत्थक केन्द्र द्वारा छात्रवृत्ति दी गई, उसके बाद उन्हें शिक्षा एवं युवक सेवा मंत्रालय (भारत सरकार) की "विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कार्यकर्ताओं को छात्रवृत्ति" नामक योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति दी गई। श्री मनोरंजन जोशी (नेपाल) को शिक्षा एवं युवक सेवा मंत्रालय की "सामान्य सांस्कृतिक छात्रवृत्ति" योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति दी गई।

जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी

जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी की स्थापना परंपरागत गुरुओं के निर्देशन में मणिपुरी नृत्य का प्रशिक्षण देने के लिए की गयी है।

अकादेमी का प्रबंध संगीत नाटक अकादेमी के अधीन एक स्थानीय सलाहकार समिति द्वारा किया जाता है । स्थानीय सलाहकार समिति के सदस्य इस प्रकार हैं :

सलाहकार समिति

श्री डी० आर० कोहली – लेफटिनेन्ट गर्वनर	अध्यक्ष
डा० सुरेश अवस्थी, सचिव, संगीत नाटक अकादेमी	उपाध्यक्ष
श्रीमती एम० के० विनोदिनी देवी, सचिव	पदेन सचिव
श्री मोहन खोखर, विशेषाधिकारी, संगीत नाटक अकादेमी	सदस्य
श्री द्विजमणिदेव शर्मा	,,
श्री आर० के० प्रियगोपाल सिंह	,,
श्री एन० तोम्बी सिंह	,,
श्री ए० एच० चौधरी, शिक्षा सचिव	,,
श्री एच० थम्बल शर्मा	,,

अध्यापक

अकादेमी के 14 गुरू हैं जिनमें एक प्रधान गुरू (प्रधानाचार्य) है । 1969-70 में 6 गुरू सेवा निवृत्त हुए । उनके स्थान पर 5 प्रतिभाशाली गुरुओं को नियुक्ति की जा चुकी है परंतु पिछले अनुसंधानकर्ता के सेवानिवृत्त होने के बाद अनुसंधान विभाग में कुछ ढिलाई आ गई है ।

विद्यार्थी

1969-70 में विद्यार्थियों की संख्या 54 थी । इनमें से 7 मणिपुरी आदिवासी थे ।

1970 की वार्षिक परीक्षा में 35 विद्यार्थी बैठे जिनमें सभी उत्तीर्ण हुए ।

इस वर्ष अकादेमी ने इन्टरव्यू में आए 19 उम्मीदवारों में से 5 योग्य विद्यार्थियों को तीन साल के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए चुना । डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 10 नि:शुल्क छात्रवृत्ति की व्यवस्था की गई है ।

गतिविधियां

गांधी शताब्दी समारोह के सिलसिले में अकादेमी ने मणिपुर में 6 सांस्कृतिक कार्यक्रम और 'चंडालिका' नामक एक नृत्य-नाटक प्रस्तुत किए।

गुरू अमुबी सिंह और अकादेमी पुरस्कार विजेता गुरू हाओबाम अतोम्बा सिंह, सेवा निवृत्ति के पश्चात् अतिथि गुरू नियुक्त किए गए। मणिपुर के प्रामाणिक और शास्त्रीय नृत्य को सुरक्षित रखने के लिए गुरूओं को इनका परामर्श और मार्ग निर्देशन प्राप्त होता रहता है।

अकादेमी पुरस्कार विजेता श्री एच० अतोम्बा सिंह के नृत्य-प्रदर्शन का फिल्मांकन किया जा चुका है। गुरू एम० अमुबी सिंह और मणिपुर के अन्य प्रतिष्ठित गुरुओं के नृत्यों का भी फिल्मांकन करने का प्रयत्न किया जा रहा है।

मेघालय राज्य समारोह के अवसर पर अध्यापकों और विद्यार्थियों के 15 सदस्यों की मंडली ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मंडली में मणिपुर के ही प्रतिनिधि थे तथा मणिपुर सरकार के तत्वाधान में यह कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया था।

पुस्तकालय

अकादेमी के पुस्तकालय के लिए मणिपुरी नृत्य और संस्कृति के संबंध में कुछ पुस्तकें उपलब्ध की गई हैं।

हिसाब किताब

भारत सरकार इस अकादेमी के लिए अनुदान देती है। 31 मार्च 1970 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय-व्यय लेखा परिशिष्ट 5, 5क में है।

परिशिष्ट 1

31-3-70 को महासमिति के सदस्य

अध्यक्ष

1. श्रीमती इंदिरा गांधी,
प्रधान मंत्री, भारत सरकार,
1, सफदरजंग रोड, नई दिल्ली

उपाध्यक्ष

2. श्री के० पी० एस० मेनन
जे-19, हौज खास, नई दिल्ली,
(पलट हाउस, ओट्टपलम, केरल)

वित्तीय सलाहकार

3. श्री एस० आर० मेहता,
संयुक्त सचिव,
वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग)
भारत सरकार,
नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधि

4. श्री एस० चक्रवर्ती,
सचिव, शिक्षा मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली

सूचना प्रसारण मंत्रालय के प्रतिनिधि

5. श्री के० के० दास
सचिव, सूचना प्रसारण मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली

भारत सरकार के प्रतिनिधि

6. डा. वी० के० नारायण मेनन,
कला प्रदर्शन का राष्ट्रीय केन्द्र
बंबई हाउस (चौथी मंजिल),
ब्रूस स्ट्रीट, बंबई-1

7. श्री ए० के चंदा,
54ई, सुजान सिंह पार्क,
नई दिल्ली

8. डा. वी० एस० झा,
12, फिरोज़ गांधी रोड,
लाजपतनगर III, नई दिल्ली-14
(868 राइट टाउन, झा मार्ग,
जबलपुर, मध्यप्रदेश)

9. श्री बलराज साहनी
टर्नर रायल लेन,
जुहू, बंबई-54

राज्य सरकारों द्वारा नामजाद

आंध्र प्रदेश

10. श्री पी० सूर्यचन्द्र राव,
अध्यक्ष, आंध्र प्रदेश संगीत नाटक
अकादेमी, कला भवन,
सैफ़ाबाद, हैदराबाद-4

असम

11. श्री परागधर चालिहा,
प्रधान सचिव,
आसाम संगीत नाटक अकादेमी,
सिबसागर, असाम

बिहार

12. श्री रामधारी सिंह दिनकर,
5, सफदरजंग लेन,
नई दिल्ली.

गुजरात

13. श्री सी० सी० मेहता,
मनुभाई मेहता हाल,
युनिवर्सिटी होस्टल,
बड़ौदा-2

केरल

14. श्री सी० आई० परमेश्वरन पिल्लै,
एडवोकेट, वांचीयूर,
त्रिवेन्द्रम-1

मध्य प्रदेश

15. श्री प्रेम चन्द कश्यप
शांति नगर
ग्वालियर-1

मद्रास

16. श्री एस० डी० सुंदरम्,
सचिव, तमिलनाडु संगीत नाटक संगम
'थेन्ड्रल', ग्रीनवेज रोड
मद्रास-28

महाराष्ट्र

17. श्री के० नारायण काले,
मनीशा,
34/7, एरान्डा वेन, कचारे वाडी,
दक्षिण जीमखाना, पूना-4

मैसूर

18. श्री एस० वी० जेवूर,
डाइरेक्टर ऑव पब्लिक इन्सट्रक्शन,
मैसूर सरकार, बंगलौर

उड़ीसा

19. श्री धीरेन्द्र नाथ पटनायक,
सहायक सचिव,
उड़ीसा संगीत नाटक अकादेमी
म्यूजियम बिल्डिंग्स,
भुवनेश्वर-1

पंजाब

20. श्री बलवंत गार्गी
प्रोफेसर ऑव इंडियन थिएटर,
पंजाब विश्वविद्यालय
चंडीगढ़-14.

राजस्थान

21. श्री देवी लाल सामर
निदेशक, भारतीय लोक कलामंडल,
उदयपुर, (राजस्थान)

उत्तर प्रदेश

22. श्री महेश प्रसाद,
निदेशक, संस्कृति विभाग,
सूचना केन्द्र, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

पश्चिम बंगाल

23. श्री उत्पल दत्त,
'कल्लोल'
140/24 नेताजी सुभाषरोड, कलकत्ता-40

जम्मू और कश्मीर

24. श्री एन० डी० शर्मा
सचिव, जम्मू कश्मीर कला,
संस्कृति और भाषा अकादेमी
लाल मंडी, श्रीनगर

साहित्य अकादेमी के प्रतिनिधि

25. श्री अनंत काणेकर
शांति कुंज,
पांचवी गली, हिन्दू कालोनी
दादर, बंबई-14

26. श्री कृष्ण कृपलानी,
सचिव, साहित्य अकादेमी,
नई दिल्ली-1

ललित कला अकादेमी के प्रतिनिधि

27. श्री एस० एन० स्वामी
'दिलकश कॉटेज', बसंत महल मार्ग,
नज़रबाद, मैसूर-1

28. श्री आर० चटर्जी,
सचिव, ललित कला अकादेमी,
नई दिल्ली

अकादेमी के नियमों और उपनियमों के नियम 4 (viii) के अधीन निर्वाचित सदस्य

29. श्री एस० पिनाकपणि,
प्रोफेसर ऑव मेडिसिन,
कर्नूल मैडिकल कालेज,
गवर्नमैन्ट जनरल अस्पताल,
कर्नूल

30. श्री कोमल कोठारी
रुपायण संस्थान,
ग्राम बोरुन्डा, वाया पीपर,
जोधपुर

31 प्रो० के० एस० नारायणस्वामी,
प्रोफेसर ऑव वीणा,
श्री स्वाति तिरुनाल संगीत
महाविद्यालय, त्रिवेन्द्रम

32. श्री डी० टी० जोशी,
संगीत भवन, विश्व भारती,
शांति निकेतन, बोलपुर (पं० बंगाल)

33. श्री अमीर खां,
द्वारा श्री टाम डब्लू. रोज,
2, कार्नवालिस स्क्वेयर,
कलकत्ता-6

34. श्रीमती मृणालिनी साराभाई,
'दर्पण', चिदाम्बरम्,
अहमदाबाद

35. श्री धर्मवीर भारती,
संपादक, 'धर्मयुग',
टाइम्स आव इन्डिया बिल्डिंग्स,
बंबई-1

36. श्री पी० एल० देशपांडे,
15-बी सरोजिनी नायडू रोड,
सांताक्रूज वेस्ट, बंबई-54

37. श्री बिरजू महाराज,
97, सर्कुलर रोड, नई दिल्ली

38. श्री एस० एन० मजूमदार,
A-60, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48

39. श्री जगदीश चंद्र माथुर,
4, लिटन लेन, नई दिल्ली,

40. श्री राजकुमार प्रियगोपाल साना,
थंगमीबंद सेनापति कोल्लुप,
डाकघर, इम्फाल, मणिपुर

अकादेमी के नियमों और उपनियम के नियम 4 (ix) के अधीन निर्वाचित सदस्य

41. प्रो० एस० श्रीनिवास राव,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय कर्नाटक संगीत
महाविद्यालय, ब्रोडी कैसल,
19 ग्रीनवेज रोड, मद्रास-28

42. डा० वी० राघवन,
7, श्री कृष्णपुरम स्ट्रीट,
रायपेट्टाइ, मद्रास—14

43. स्वामी प्रज्ञानानंद
रामकृष्ण वेदांत मठ,
19-बी राजा राज कृष्ण स्ट्रीट,
कलकत्ता-6

44. डा० के० सी० देव बृहस्पति
514, वल्लभभाई पटेल हाउस,
नई दिल्ली-1

45. श्री शंभु मित्र,
बहुरुपी,
11-ए नसीरुद्दीन रोड, कलकत्ता

46. श्री आद्य रंगाचार्य
381, विमल विहार
छटा मेन रोड,
मल्लेश्वरम्, बंगलौर-3

47. श्रीमती टी० बालसरस्वती
16, रामनाथन चेट्टियार रोड,
अलगप्पानगर, किलपौक,
मद्रास-10

48. डा० के० एन० पिशरोती,
शोरानूर रोड,
त्रिचूर—1

परिशिष्ट 2

संगीत नाटक अकादेमी के रत्न-सदस्य

1. श्री अलाउद्दीन खाँ
2. श्री हाफीज़ अली खाँ
3. श्री पृथ्वी राज कपूर
4. श्रीमती अंजनी बाई मालपेकर
5. श्री अरियकुडि रामानुज अय्यंगर (स्वर्गीय)
6. श्री पापनासम् आर० शिवन
7. श्री डी० अन्नास्वामी भागवतार (स्वर्गीय)
8. श्री उदयशंकर
9. श्री कृष्ण नारायण रतनजंकर
10. प्रो० पी० साम्बमूर्ति
11. स्वामी प्राज्ञानानंद
12. श्री टी० एल० वेंकेटराम अय्यर
13. श्री वीरेन्द्र किशोर राय चौधरी
14. प्रो० बी० आर देवधर
15. श्रीमती सी० सरस्वती बाई
16. डा० वी० राघवन
17. डा० पी० वी० राजमन्नार
18. श्री दिलीप कुमार राय
19. डा० डी० जी व्यास (स्वर्गीय)
20. ठाकुर जयदेव सिंह
21. पंडित विनायक नारायण पटवर्धन
22. श्री जय चामराज वडियार
23. श्री ई० कृष्ण अय्यर (स्वर्गीय)
24. श्री शंमु मित्र
25. डा० आशुतोष भट्टाचार्य
26. श्री आद्य रंगाचार्य
27. श्री ई० अल्काज़ी

28. श्री बड़े गुलाम अली खाँ
29. गुरू पी० के० कुंजु कुरुप
30. श्री मुसिरी सुब्रमण्यम अय्यर
31. श्रीमती रूक्मिणी देवी अरूंडेल
32. शंभु महाराज
33. श्री वेदांतम सत्यनारायण शर्मा
34. श्री कालीचरण पटनायक

पुरस्कार विजेता

हिन्दुस्तानी संगीत

कण्ठ संगीत

श्री मुश्ताक हुसैन खां (स्वर्गीय)
श्रीमती केसर बाई केरकर
श्री रजब अली खाँ (स्वर्गीय)
श्री अनंत मनोहर जोशी
श्री राजा भैय्या पुंछवाले (स्वर्गीय)
श्रीमती रसूलन बाई
श्री गणेश रामचन्द्र बेहरे
श्री कृष्णराव शंकर पंडित
श्री अल्ताफ़ हुसैन खाँ (स्वर्गीय)
श्री वाई० एस० मिराशी बुवा (स्वर्गीय)
श्री बड़े गुलाम अली खाँ
श्री ओंकार नाथ ठाकुर (स्वर्गीय)
श्री रहमुद्दीन खां डागर
श्रीमती हीराबाई बड़ौदेकर
श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी
श्री अमीर खां

श्रीमती मोगूबाई कुर्डीकर
श्री रामचतुर मलिक

वाद्य संगीत

श्री अलाउद्दीन खाँ
श्री हफ़ीज अली खाँ
श्री अहमद जान थिरकवा
श्री गोविन्द राव बुरहानपुरकर (स्वर्गीय)
श्री बिस्मिल्लाह खाँ
श्री युसुफ अली (स्वर्गीय)
श्री जहांगीर खाँ
श्री वहीद खाँ (स्वर्गीय)
श्री कण्ठे महाराज
श्री रवि शंकर
श्री अली अकबर खाँ
पण्डित सखाराव तावड़े
श्री शकूर खाँ
श्री अयोध्या प्रसाद
उस्ताद मुश्ताक अली खाँ
श्री दबीर खाँ

कर्नाटक संगीत

कण्ठ संगीत

अरयकुडि श्री रामानुज अय्यंगर (स्वर्गीय)
सेम्मनगुडी श्री आर० श्रीनिवास अय्यर
मैसूर श्री के० वासुदेवाचार्य (स्वर्गीय)
महाराजपुरम श्री विश्वनाथ अय्यर
श्रीमती एम० एस० सुब्बलक्ष्मी

मूसिरी श्री सुब्रमण्य अय्यर
चेम्बई श्री वैद्यनाथ भागवतार
गुंडलूर श्री मणि अय्यर
मुडिकोण्डन सी० वैंकेटराम अय्यर
श्रीमती डी० के० पट्टम्माल
श्री बी० देवेन्द्रप्पा
चित्तूर एस० सुब्रमण्य
श्रीमती टी० वृन्दा
मुदुरै श्री आर० श्रीरंगम अय्यंगर
श्री सी० वेंकट राव
श्री आलत्तूर एस० श्री निवास अय्यर
श्री एम० एम० दंडपाणि देसीगर

वाद्य संगीत

करईकुडि श्री साम्बशिव अय्यर (स्वर्गीय)
द्वारम श्री वेंकेटस्वामी नायडू (स्वर्गीय)
पल्लदम श्री संजीव राव (स्वर्गीय)
श्री टी० राजरत्नम पिल्लै (स्वर्गीय)
श्री टी० एस० पालघाट मणि अय्यर
श्री टी० चौदियाह
बुडलूर श्री कृष्णमूर्ति शास्त्री
कुंभकोणम श्री राजमणिक्क पिल्लै
श्री शेरमादेवी एल० सुब्रमण्य शास्त्री
श्री टी० एन० स्वामीनाथ पिल्लै (स्वर्गीय)
तिरुविजीमाज़लाई श्री एस० सुब्रमण्य पिल्लै
श्री टी० के० जयराम अय्यर
श्री के० एन० चिन्नस्वामी अय्यर
श्री टी० आर० महालिंगम्
श्री पी० एस० वीरुस्वामी पिल्लै
श्री के० एस० वैंकेटरामैय्याह "पापा"
प्रो० के० शिवराम नारायणस्वामी
श्री देववोत्तै नारायण अय्यरगर

नृत्य

भरतनाट्यम

श्रीमती टी० बालसरस्वती
श्रीमती रुक्मिणी देवी
श्रीमती मिलापुर गौरी अम्मा
श्रीमती आर० मुथुरत्नम्बाल (स्वर्गीय)
श्रीमती वेंकटलक्षम्मा
श्रीमती स्वर्ण सरस्वती
श्रीमती कमला

कत्थक

श्री शम्भू महाराज
श्री बैजनाथ प्रसाद
श्री सुन्दर प्रसाद
श्री मोहनराव कल्याणपुरकर
श्री बिरजू महाराज
श्रीमती दमयंती जोशी
श्रीमती सितारा देवी

कथकलि

गुरु कुंजू कुरुप्प
श्री ओट्टन के० चंडू पणिक्कर
श्री थेकिन कट्टिलर मुन्नी नय्यर
श्री चेंगान्नूर रमणपिल्लै
गुरु गोपीनाथ
श्री कलामंडलम कृष्णन नय्यर
श्री कुरिचि कुंजन पणिक्कर
श्री कुंचु नायर

मणिपुरी

गुरु अमुबी सिंह
श्री हाओहम अतम्बा सिंह
श्री टखेलचंबर्म अमुडम शर्मा
श्री अतम बापू शर्मा (स्वर्गीय)
गुरु बिपिन सिंह
थंगजाम ओझा चाओबा सिंह

शास्त्रीय नृत्य के प्रशिक्षक

	श्री पी० चोक्कलिंगम पिल्लै (स्वर्गीय) (भरतनाट्यम)
	श्री वी० बी रामैय्या पिल्लै (भरतनाट्यम)
	श्री के० स्वामीनाथ पिल्लै (भरतनाट्यम)
कुचिपुडि	श्री वेदांतम् सत्यनारायण
	श्री चिताकृष्णमूर्ति (नृत्य गुरु)
ओडिसी	श्री केलूचरण महापात्र
चकियार कूथू	श्री पी० मणि माधव चकियार
यक्षगण	श्री हरादि राम गणिगा
नृत्य की अन्य शैलियां	श्री उदय शंकर (सर्जनात्मक नृत्य)
	श्री बापूराव खुडे नारायण गोयनकर (तमाशा)
	श्री मणिराम दत्त मोख्तार (सत्तरिया)
	श्री सुधेन्द्र नारायण सिंह देव (छाऊ)
	श्री बालू भागवतार (भगवत मेला)

नाटक

अभिनय	श्री गुब्बी विराना
	श्री बाल गंधर्व (स्वर्गीय)
	श्री गणपतराव बोदस
	श्री चिंतामणराव कोलहटकर (स्वर्गीय)

श्री अहिन्द्र चौधरी
श्री पम्पल संबंध मुदालियर (स्वर्गीय)
श्री अशरफ खाँ (स्वर्गीय)
श्री सी० आई० परमेश्वरन पिल्लै
श्री गोपाल गोविंद पाठक
श्री संतानम नरसिंह राव
श्री मित्रदेव महंत अधिकार
श्री मैसूर वेंकटप्पा सुब्बैया नायडू (स्वर्गीय)
श्री सेमुअल साहु
श्रीमती तृप्ति मित्रा
श्री टी० के० शानुमुगम
श्री बंदा कनकलिंगेश्वर राव (स्वर्गीय)
श्रीमती ज़ोहरा सहगल
श्रीमती के० टी दाते
श्री अरविंदक्ष मेनन
श्री कृष्णचन्द्र मोरेश्वर
श्री नायक मूलजी भाई खुशालभाई
श्री सविताव्रत दत्त
श्री एस० बी सहस्त्रनामम्
प्रो० जसवंत डी० ठाकर
श्री फणि भूषण विद्याविनोद (स्वर्गीय)
श्री एन० एन० पिल्लै

प्रस्तुतीकरण और निर्देशन

श्री पृथ्वीराज कपूर
श्री जयशंकर सुंदारी
श्री शंभू मित्र
श्री कासमभाई नाथूभाई मीर
श्री इब्राहिम अलकाज़ी
श्री टी० एस० राजमणिक्कम
श्री हबीब तनवीर

नाट्य लेखन

श्री भार्गवराम विथ्थलमामा वरेरकर (स्वर्गीय)
श्री प्रभुलाल दयाराम द्विवेदी (स्वर्गीय)

श्री आद्य रंगाचार्य "श्रीरंग"
श्री उपेन्द्रनाथ अशक
श्री पी० एल० देशपांडे
श्री कृष्ण पहलवान (नौटंकी)
श्री बादल सरकार
श्री मोहन राकेश
श्री मन्मथ राय

फिल्म (चल-चित्र)

निर्देशन	श्री देवकी बोस
	श्री सत्यजित राय
पटकथा	श्री गजानन डी० मडगुलकर
	श्री मुखराम शर्मा
अभिनय	श्रीमती दुर्गा खोटे
	श्री अशोक कुमार गाँगुली
	श्री छबि बिश्वास (स्वर्गीय)
	श्रीमती ललिता पवार
संगीत निर्देशन	श्री सचिन देव वर्मन
गीतकार	श्री रामचंद्र द्विवेदी "प्रदीप"

पुरस्कार

नाटक	श्री मोहन राकेश (हिन्दी)
	श्री टी० एन० विश्वनाथन् (तामिल)
	श्री शिबकुमार जोशी (गुजराती)
	श्री वसन्त काणेकर (मराठी)
	श्री अमनचार्ला गोपालराव (तेलगू)
	श्री उत्पल दत्त (बंगला)
	श्रीमती लीला मजुमदार (बाल नाटक)
नाट्य प्रस्तुतीकरण	अनामिका, कलकत्ता (हिन्दी
	रूपकार—कलकत्ता (बंगला)
	मणिमेला-माहकेन्द्र—कलकत्ता (बाल-नाटक)

परिशिष्ट-3

1969-70 में संस्थाओं को स्वीकृत अनुदान

क्रम सं०	संस्था का नाम	अनुदान का राशि (रुपयों में)	उद्देश्य
1.	कलाक्षेत्र, मद्रास	50,000	वेतन, वृत्ति और प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए।
2.	दर्पण, अहमदाबाद	50,000	नृत्य गुरुओं के वेतनों के लिए।
3.	बहुरूपी, कलकत्ता	40,000	वेतन और प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए।
4.	रंगश्री लिटल बैले ट्रूप ग्वालियर	30,000	वेतन वृत्ति और प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए।
5.	त्रिवेणी कला संगम, नई दिल्ली	29,000	बैले के प्रस्तुतीकरण व्यय और वेतन, तथा भरतनाट्यम के गुरुओं के वेतनों के लिए।
6.	दिल्ली कला केन्द्र नई दिल्ली	25,000	वेतन और प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए।
7.	भारतीय नाट्य संघ नई दिल्ली	23,000	15,000 रुपए नृत्य निर्देशकों के वेतनों के लिए; 8,000 रुपए नाट्य संघ के अनुरक्षण के लिए।
8.	श्री सिधेन्द्र कलाक्षेत्रम, एलुरु	20,000	वेतन और वृत्ति के लिए।
9.	संगीत अकादेमी, मद्रास	19,000	15,000 रुपए अनुसंधान, अवर प्रतिभाशालियों को प्रोत्साहन देने, हिन्दुस्तानी संगीतज्ञों को प्रश्रय देने और संगीत-शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए। 4,000 रुपए भरतनाट्यम् प्रशिक्षण (शिक्षकों के वेतनों) के लिए।
10.	कथकलि का अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली	17,000	वेतन और प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए।

11.	यान्त्रिक, नई दिल्ली	15,000	10,000 रुपए अभिनेताओं के वेतन के लिए 5,000 रुपए उपकरणों के लिए।
12.	थिएटर सेन्टर, कलकत्ता	15,000	10,000 रुपए वेतन और वृत्ति के लिए ; 5,000 रुपए प्रकाश-उपकरणों के लिए ।
13.	भारतीय कला केन्द्र, नई दिल्ली	15,000	संगीत शिक्षकों के वेतनों के लिए।
14.	चिल्ड्रन्स लिटल थिएटर, कलकत्ता	15,000	10,000 रुपए कठपुतली के खेल के प्रशिक्षण के लिए (वेतन और प्रस्तुतीकरण व्यय); 5,000 रुपए उपकरणों के लिए।
15.	थिएटर यूनिट, बंबई	15,000	प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए ।
16.	आंध्र प्रदेश नाट्य संगम, हैदराबाद	10,000	5,000 रुपए अध्यापकों के वेतनों और पारिश्रमिक के लिए ; 5,000 रुपए रंगमंच उपकरणों के लिए ।
17.	नाट्य संघ, बम्बई	10,000	5,000 रुपए रंगमंच प्रशिक्षण, वेतन और वृत्ति के लिए ; 5,000 रुपए उपकरणों के लिए ।
18.	मद्रास नाट्य संघ, मद्रास	10,000	वेतन और वृत्ति के लिए ।
19.	मयूरभंज छाऊ नृत्य प्रतिष्ठान, बरीपाड़ा	10,000	वेतन और वृत्ति के लिए।
20.	लिटल थिएटर ग्रुप, नई दिल्ली	10,000	वेतन और प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए।
21.	नया थिएटर, नई दिल्ली	10,000	निर्देशक और अभिनेताओं के वेतनों और प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए।
22.	उन्ने वारियर समरका कलानिलयम, इरिन्जलकुडा	10,000	4,000 रुपए वेतन और वृत्ति के लिए ; 6,000 रुपए पोशाकों के नवीनीकरण और पोशाकों और उपकरणों की खरीद के लिए।
23.	अरुण संगीतालय, बंबई	8,000	वेतन और वृत्ति के लिए।
24.	कलकत्ता स्कूल ऑव म्युजिक, कलकत्ता	8,000	पाश्चात्य संगीत के शिक्षण के लिए—वेतन।
25.	कला विकास केन्द्र, कटक	7,500	5,000 रुपए वेतन और वृत्ति के लिए ; 2,500 रुपए नृत्य शिक्षकों के लिए ग्रीष्म-कालीन पाठ्यक्रम आयोजित करने आदि के लिए ।

26.	दिल्ली चिल्ड्रन्स थिएटर, नई दिल्ली	7,000	नृत्य निर्देशकों और संगीतज्ञों के वेतनों के लिए ।
27.	गीति-बितान, नई दिल्ली	6,000	संगीत शिक्षकों के वेतनों के लिए ।
28.	गौरीपुर म्युजिक ट्रस्ट कलकत्ता	6,000	सोनिया घराना के वाद्य संगीत के गत और आलापों की स्वरलिपि सहित रिकार्डिंग करके अकादेमी को प्रदान करने के लिए ।
29.	दर्पण, कानपुर	5,500	5,000 रुपए नाट्यकला पर अल्पकालीन प्रशिक्षण-पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए; 500 रुपए पुस्तकालय के थियेटर संबंधी पुस्तकों की खरीद के लिए ।
30.	कलानिलयम् थिएटर्स, त्रिवेन्द्रम	5,000	प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए ।
31.	आरटिस्ट्स कंबाइन, ग्वालियर	5,000	प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए ।
32.	अनामिका, कलकत्ता	5,000	कलाकारों के वेतनों के लिए ।
33.	कलाक्षेत्रम्, एलुरु	5,000	वेतन और वृत्ति के लिए
34.	गांधर्व महाविद्यालय, नई दिल्ली	5,000	यन्त्र वादकों के वेतन और सामुदायिक गायन की उन्नति के लिए संगीत निर्देशकों को मानदेय के लिए ।
35.	विश्व कला केन्द्र, त्रिवेन्द्रम	5,000	वेतन और वृत्ति के लिए ।
36.	श्री त्याग ब्रह्ममहोत्सव सभा, मद्रास	5,000	आराधना संगीत समारोह के आयोजन के लिए ।
37.	शंकर गांधर्व महा-विद्यालय, ग्वालियर	5,000	वेतन पुस्तकों और यन्त्रों के लिए।
38.	तमिल ईसाई संगम, मद्रास	5,000	प्राचीन तमिल संगीत के प्रशिक्षण के लिए—वेतन और वृत्ति।
39.	भारत नाट्य संशोधन मन्दिर, पुना	5,000	प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए ।
39.A	चतुर्मुख, कलकत्ता	5,000	'धर्मघाट' के प्रस्तुतीकरण के लिए ।
40.	उड़ीसा संगीत परिषद पुरी	5,000	4,000 रुपए पखावज और ध्रुपद के प्रशिक्षण के लिए वेतन और वृत्ति के लिए, 1,000 रुपए वाद्य यन्त्रों की मरम्मत और खरीद के लिए ।

41.	श्री हरि संकीर्तन सभा,	4,000	लोक संगीत समारोह के आयोजन के लिए
42.	लोक संस्कृति अनुसंधान संस्थान, कलकत्ता	4,000	'छाऊ' नृत्य पर अल्पकालीन पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए।
43.	रूपायन संस्थान, जोधपुर	4,000	राजस्थान के लोक संगीत के दो डिस्क (रेकार्ड) तैयार करने के लिए।
44.	भारतीय संगीत महा-विद्यालय, ग्वालियर	4,000	वेतन और वृत्ति के लिए।
45.	नृत्य निकेतन, दिल्ली	3000	नृत्य शिक्षकों (ओडिसी) के वेतनों के लिए।
46.	ब्रज लीला केन्द्र, मथुरा	3,000	रासलीला गीतों की रिकार्डिंग और स्वर-लिपि के लिए।
47.	शंकर मित्तर कीर्तन शिक्षालय, कलकत्ता	3,000	वेतन और प्रस्तुतीकरण के लिए।
48.	गायन वादन विद्यालय, नन्देड़ (महाराष्ट्र)	3,000	वाद्य यन्त्रों और पुस्तकों की खरीद के लिए।
49.	प्राचीन कठपुतली संघ, नई दिल्ली	3,000	शिक्षकों के वेतनों के लिए।
50.	खाँ साहब अब्दुल करीम खाँ संगीत प्रचार मंडल, बंबई	2,500	अब्दुल करीम खाँ के घराने के संगीत के प्रशिक्षण तथा अनुसंधान के लिए।
51.	गांधर्व महाविद्यालय पूना	2,000	प्रशिक्षण के लिए वाद्य यन्त्रों और पुस्तकों की खरीद के लिए।
52.	श्री जय गणेश ताल-वाद्य विद्यालय, मद्रास	2,000	शिक्षकों के वेतनों के लिए।
53.	बिमला प्रसाद चालिहा संगीत विद्यालय, कचार	2,000	शिक्षकों के वेतनों के लिए।

54.	हिन्दी संगीत संस्थान नई दिल्ली	1,009	वाद्य यन्त्रों की खरीद और मरम्मत के लिए।
55.	हरियाणा लोक मंच तोहाना हरियाणा	800	लोक संगीत की रिकार्डिंग के लिए टेपों की खरीद के लिए।

परिशिष्ट 3 क

1969-70 में राज्य अकादेमियों को स्वीकृत अनुदान

क्रम संख्या	राज्य अकादेमी का नाम	राशि (रुपयों में)	उद्देश्य
1.	आंध्र प्रदेश संगीत नाटक अकादेमी, हैदराबाद	5,000	लोक नाटक समारोह आयोजित करने के लिए ।
2.	जम्मू और कश्मीर अकादेमी ऑव आर्ट कल्चर एण्ड लेंग्वेजेज़, श्रीनगर	5,000	अल्पकालीन नाट्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए ।
3.	मध्य प्रदेश कला परिषद, ग्वालियर	5,000	आदिवासी संगीत समारोह आयोजित करने के लिए ।
4.	मैसूर राज्य संगीत नाटक अकादेमी, मैसूर	5000	यक्षगण समारोह के आयोजन के लिए ।

परिशिष्ट 4

संगीत नाटक अकादेमी के प्रकाशन

(बिक्री के लिए)

अंग्रेजी

"संगीत नाटक"—संगीत नाटक अकादेमी की त्रैमासिक पत्रिका, मूल्य प्रति अंक 3/- रुपए (पूरे साल के लिए 10/-)

"फिल्म सेमिनार रिपोर्ट"—1955. सम्पादक आर० एम० रे, पृष्ठ 271+3 एल, मूल्य 10/-रुपए

एन्थॉलोजी आफ वन हन्ड्रेड सांग्स आफ रवीन्द्रनाथ टैगोर इन स्टाफ नोटेशन्स, भाग 1 (पचास गीतों का संग्रह)—पृष्ठ संख्या 200, विदेशी संस्करण का मूल्य $ 5,50 या £ 2 : भारतीय संस्करण का मूल्य 25/- रुपए

एंथॉलोजी ऑफ वन हन्ड्रेड साँग्स ऑफ रवीन्द्रनाथ टैगोर इन स्टाफ नोटेशन, भाग II, (पचास गीतों का संग्रह)—पृष्ठ संख्या 193, विदेशी संस्करण का मूल्य $6.00 या £ 2.50; भारतीय संस्करण का मूल्य 45/- रुपए

संगीत नाटक अकादेमी बुलेटिन "टैगोर सेन्टनरी" अंक—सम्पादक पुलिनबिहारी सेन तथा क्षितिज राय, पृष्ठ संख्या 118, साधारण जिल्द का मूल्य 10/- रुपए, विशेष जिल्द का मूल्य 12.50 रुपए

कुट्टियट्टम, लेखक डा० कुंजुन्नी राजा, एक परिचय, पृष्ठ संख्या 38, मूल्य 2/- रुपए

केटेलग ऑफ टेप रिकार्डिंग्स—पृष्ठ 263, मूल्य 20/- रुपए

मोनोग्राफ ऑन मुथुकुमार पिल्लै, लेखक मोहन खोकर, पष्ठ संख्या 26, मूल्य 2.50 रुपए

मोनोग्राफ ऑन मुश्ताक हुसैन खां—लेखक श्रीमती नैना रिपजीत सिंह, पृष्ठ संख्या 24, मूल्य 2.50 रुपए

मार्ग—कथकलि अंक, पृष्ठ संख्या 54, मूल्य 5.50 रुपए

मार्ग—कत्थक अंक, पृष्ठ संख्या 66, मूल्य 5.50 रुपए

संगीत नाटक अकादेमी बुलेटिन—अंक 5 से 18 (11 अंक मात्र), पृष्ठ संख्या लगभग 70, मूल्य 1/- रुपया प्रति अंक

किताबी नौरस—इब्राहीमअदिल शाह द्वितीय, हिन्दी और उर्दू के गीतों के साथ; पृष्ठ संख्या 14+160, मूल्य 15/- रुपए

स्पिरिचुअल हेरिटेज ऑव त्यागराज – लेखक डा० बी० राघवन और श्री सी० रामानुजचारी, पृष्ठ संख्या 631, मूल्य 10/- रुपए

हू इज़ हू ऑफ इन्डियन म्युजिशियन्स - मूल्य 6/- रुपए

इन्डियन फोक म्युजिकल इन्सट्रूमेन्ट्स, लेखक के० एस० कोठारी मूल्य 20/- रुपए,

क्लासिकल इण्डियन डांस इन लिटरेचर एण्ड दी आर्टस—सम्पादक डा. कपिला वात्स्यायन, मूल्य 60 रु०)

संस्कृत

राग तत्त्व विबोध—श्रीनिवास (गायकवाड का ओरिन्टल सीरीज, संख्या—136) पृष्ठ संख्या 62, मूल्य 4/- रुपए

संगीत चूडामडि, लेखक कविचक्रवर्ती जगदेकमल्ल (गायकवाड का ओरियंटल सीरीज संख्या—128), पृष्ठ संख्या 114, मूल्य 6.50 रुपए

वीणा लक्षण—लेखक परमेश्वर (गायकवाड का ओरियन्टल सीरीज संख्या—131) पृष्ठ संख्या 64, मूल्य 3.50 रुपए

नत्याध्याय भारतीय नृत्य संबंधी शोधग्रन्थ—लेखक अशोकमल, (गायकवाड का ओरियन्टल सीरीज, संख्या—141) पृष्ठ संख्या 173, मूल्य 10/- रुपए

रसकौमुदी (भारतीय संगीत संबंधी शोध ग्रंथ)—ले० श्रीकांत, (गायकवाड का ओरियंटल सीरीज, संख्या 143) पृष्ठ संख्या 190 मूल्य 13/- रुपए

हिन्दी

संगीत सुधा सागर, भाग-1—लेखक श्री प्राण कृष्ण चटोपाध्याय, पृष्ठ संख्या 63, मूल्य 2/- रुपए

दिल्ली 1857,—लेखक श्री महेश्वर दयाल, पृष्ठ संख्या 122, मूल्य 2.50 रुपए

संगीतज्ञ का संस्मरण, लेखक स्वर्गीय उस्ताद विलायत हुसैन खाँ, पृष्ठ संख्या, 264 मूल्य 3/- रुपए

रवीन्द्रनाथ ठाकुर के 100 गीतों का संग्रह—अकादेमी की स्वरलिपि में, ग्रंथ-1

(50 गीतों का संग्रह)—पृष्ठ संख्या 26+212, मूल्य 20/- रुएप

ओंकारनाथ ठाकुर पर प्रबंध (मोनोग्राफ)—लेखक विनय चन्द मौदगल्य, पृष्ठ संख्या 24, मूल्य 2.50 रुपए

तमिल

दीक्षित कीर्तनमाला—लेखक वैणिक विद्वान ए० सुन्दरम् अय्यर, भाग—I से 13 (4 को छोड़कर), मूल्य 2/- रुपए प्रति भाग; भाग—4 का मूल्य 1.50 रुपए और पूरक अंक का मूल्य 2.50 रुपए

वाग्गेयाकर्क चरित्रम्—लेखक वाणिक विद्वान ए० सुन्दरम् अय्यर, पृष्ठ संख्या 120, मूल्य 2/- रुपए

तेलगू

संगीत कला प्रदर्शनी—लेखक श्री सत्यनारायण मूर्ति, पृष्ठ संख्या 240. मूल्य 6/- रुपए

देविगण सुधा—लेखक श्री ओगिरला वीरार्घव शर्मा, भाग—I, पृष्ठ संख्या 84, मूल्य 3/- रुपए; भाग II पृष्ठ 76 मूल्य 3/- रुपए

वासुदेव कीर्तन मंजरी, भाग II—लेखक श्री के० वासुदेवाचार्य, पृष्ठ संख्या 15+232, मूल्य 6/- रुपए

उर्दू

दिल्ली—1857—लेखक श्री महेश्वर दयाल, पृष्ठ 160, मूल्य 3/- रुपए

कन्नड़

राष्ट्रीय गीत--अंग्रेजी अनुवाद और स्वर लिपि के साथ, मूल्य 1- रुपया

बंगाली

राष्ट्रीय गीत – अंग्रेजी अनुवाद और स्वर लिपि के साथ, मूल्य 2.50 रुपए

परिशिष्ट 5

संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली

1969-70 वर्ष (गैर योजना) की आय और व्यय लेखे का विवरण

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
रोकड़ जमा	20,496.78	**कार्यालय का व्यय**			
सरकार से प्राप्त अनुदान	25,03,000.00	कर्मचारियों का वेतन	1,74,000	1,70,000	1,69,812.42
प्रकाशनों की बिक्री	10,947.63	भत्ते और मानदेय	1,05,000	1,18,000	1,20,765.33
मिश्रित आय	1,334.38	केन्द्रीय भविष्य निधि में देय अंश	30,000	37,000	39,331.00
सवारी के लिए ऋणों पर ब्याज	52.73	किराया, जलशुल्क और कर	5,02,000	5,09,000	5,08,729.53
फोटो की बिक्री	253.00	अन्य खर्चे	35,000	48,500	51,249.68
स्टुडियो के किराए की फीस	4,131.70				
		कार्यालय का कुल खर्च	8,46,000	8,83,000	8,89,887.96
		फर्नीचर और उपकरण	5,000	5,300	5,094 01
		संग्रहालय और रेकार्ड	4,000	6,300	6,216.56

श्राय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		अनुसंधान और प्रकाशन	30,000	45,000	38,455 81
		फिल्म और रेकार्ड निर्माण	20,000	20,000	19,585.66
		पुस्तकालय	10,000	10,000	9,882.80
विभिन्न संस्थाओं द्वारा अनुदानों की		विभिन्न संस्थाओं को अनुदान	6,40,000	6,40,000	6 31,964.59
वापसी	1,000.00	प्रकाशन अनुदान	26,000	10,000	9 897.25
		विचार गोष्ठी और संगोष्ठी पर व्यय	15,000	12,000	10,317.91
		महापरिषद के सदस्यों और अन्य व्यक्तियों का यात्रा भत्ता	20,000	22,000	22,966.39
		पुरस्कार	1,00,000	93,500	93,242.57
		अकादेमी के समारोह और स्वागत समारोह पर व्यय	40,000	40.000	35,856.40
		राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच संस्थान	4,90,680	4,65,680	4,65,680.00
		जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल	90,000	80,000	80,000.00
		कत्थक केन्द्र, नई दिल्ली	2,000,000	1,99,000	1,99,144.11

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		लेखा-परीक्षा फीस	2,300	1,850	1,850.00
सवारी के लिए पेशगी रुपए की वसूली	3,684.00	सवारी खरीदने के लिए पेशगी	2000	1,450	1,104.00
		कानूनी खर्च	220	220	55.00
त्यौहार पेशगी की वसूली	1,357.25	त्यौहार पेशगी	1,500	1,500	1,500.00
अवितरित वेतन	14,143,25	अवितरित वेतन	—	—	14,156.15
सी० टी० डी०	1,780.00	सी० टी० डी०	—	—	1,780.00
आयकर	13,276.00	आयकर	—	—	13,276.00
उचन्त खाता (के० भविष्य निधि,	30,321,00	उचन्त खाता (के० भविष्य निधि)	—	—	30,321.00
उचन्त खाता (सामान्य)	5,958.40	उचन्त खाता (सामान्य)	—	—	5,991.10
उचन्त खाता (कत्थक केन्द्र)	34,516.00	उचन्त खाता (कत्थक केन्द्र)	—	—	16,998.13
महालेखा परीक्षक केन्द्रीय राजस्व को देय सामान्य भविष्य निधि	3,772.00	महालेखा परीक्षक केन्द्रीय राजस्व को देय सामान्य भविष्य निधि	—	—	3,772.00
पेशगी खाता	36,313.49	पेशगी खाता	—	—	34,953.15
गृह निर्माण पेशगी	2,400.00	गृह निर्माण पेशगी (भारत सरकार को देय)	—	—	2,400.00
स्कूटर पेशगी	660.00	स्कूटर पेशगी (भारत सरकार को देय)	—	—	660.00
नृत्य तथा संगीत गायन (खाद्य तथा कृषि मंत्रालय)	6,382.40	नृत्य और संगीत गायन (खाद्य तथा कृषि मंत्रालय)	—	—	6,382.40

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
गुरू नानक पंचशती समारोह		गुरू नानक पंच शती समारोह	—	—	4,531.94
(शिक्षा मंत्रालय)	4,531.94	सोवियत थिएटर प्रदर्शनी	—	—	5,956.94
योजनागत व्यय	1,00,000.00	योजनागत व्यय	—	—	1,00,000.00
राष्ट्रपति भवन में नृत्य तथा गायन समारोह :		राष्ट्रपति भवन में नृत्य तथा गायन समारोह :			
11.11.1969	4,250.00	11.11.1969	—	—	5,622.28
10.12.1969	—	10.12.1969	—	—	6,086.95
15. 1.1970	4,105.05	15. 1.1970	—	—	4,105.05
28. 1.1970	6,941.50	28. 1.1970	—	—	7,239.30
13. 2.1970	3,132.05	13. 2.1970	—	—	3,132.05
		4. 3.1970	—	—	3,787.35
विविध आय और जमा					
* (क) राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच संस्थान, नई दिल्ली	1,38,474.00	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच संस्थान, नई दिल्ली	—	—	1,10,358.69
*(ख) जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल	18,148.00	जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी	—	—	14,875.53

आय	वास्तविक	व्यय		मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		इतिशेष :				
		संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली				
		हाथ में नकदी	1,736.12			
		बैंक में जमा रुपया	23,151.62			
			24,887.74			24,887.74
		राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच संस्थान, नई दिल्ली				
		हाथ में नकदी	355.65 (क)			
		हाथ में नकदी	15.00 (ख)			
		स्टेट बैंक ऑव इंडिया में चालू खाता-1	15,994.21			
		स्टेट बैंक ऑव इंडिया में चालू खाता-2	11,426.87			
		डाक टिकटें	323.58			28,115.31

आय	वास्तविक	व्यय		मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल				
		हाथ में नकदी	667.70			
		बैंक में जमा रुपया	2,605.85			3,273.55
कुल योग	29,75,363.63			25,42,700	25,36,800	29,75,363.63

* नोट : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच संस्थान, नई दिल्ली, तथा जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल की आय और व्यय के लेखे अलग तैयार किए गए हैं जिन्हें परिशिष्ट 6 और 7 में देखा जा सकता है ।

हस्ताक्षर
रामप्रकाश
वित्त और लेखा अधिकारी

हस्ताक्षर
मोहन खोकर
सचिव

परिशिष्ट 5 क

संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली

1969-70 वर्ष (योजना) की आय और व्यय लेखे का विवरण

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
रोकड़ जमा	14,878.04	लोक संगीत, नृत्य और नाटक का सर्वेक्षण	1,50,000	1,22,000	1,17,262.87
शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	2,20,050.00	अकादेमी संग्रहालय का विस्तार	40,000	1,00,000	88,278.34
पेशगियाँ	30,645.35	छात्र वृत्ति परियोजना	58,000	2,800	1,928.68
आयकर	349.00	पेशगियाँ	—	—	37,281.35
उचन्त खाता (सामान्य)	575.65	संगीत विज्ञान में अनुसंधान यूनिट	2,000	11,000	9,521.75
अवितरित वेतन	1,667.80	आयकर	—	—	349.00
उचन्त खाता (के० भविष्य निधि)	428.00	उचन्त खाता (सामान्य)	—	—	575.65
		अवितरित वेतन	—	—	1,667.80
मिश्रित आय (सी० जी० एस० एस०)	16.00	उचन्त खाता (के० भविष्य निधि)	=	—	428.00
गैर योजना खाता	1,00,000.00	गैर योजना खाता	—	—	1,00,000.00

आय	वास्तविक	व्यय		मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		इतिशेष :				
		हाथ में नकदी	301.42			
		बैंक में जमा रुपया	11,014 98			11,316.40
कुलयोग	3,68,609.84			2,50,000	2,35,800	3,68,609.84

हस्ताक्षर— राम प्रकाश
वित्त और लेखा अधिकारी

हस्ताक्षर—मोहन खोकर
सचिव

परिशिष्ट 6

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच संस्थान

1 4-69 से 31-3-70 तक की आय और व्यय लेखे का विवरण

आय		वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
रोकड़ा जमा			**कार्यालय का व्यय**			
हाथ में नकदी	2,508.38		(क) कर्मचारियों का वेतन	1,29,700.00	1,24,900.00	1,24,633.53
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया			(ख) भत्ते और मानदेय	76,300.00	75,250.00	71,651.95
का चालू खाता-1	20,051.36		(ग) भविष्य निधि में देय अंश	10,950.00	11,000.00	10,825.00
डाक टिकट			(घ) किराया, उपशुल्क और कर	33,500.00	98,680.00	97,678.60
(फ्रैंकिंग मशीन)	240.93	22,800.67	(ङ) विज्ञापन, लेखन सामग्री और मुद्रण	13,000.00	18,500.00	16,403.54
			(च) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा योजना	3,500.00	3,800.00	3,608.00
संगीत नाटक अकादेमी		4,65,680.00	(छ) मिश्रित व्यय	21,000.00	30,000 00	21,414.65
			कुल कार्यालय व्यय	2,87,950.00	3,62,130.00	3,46,215.27

आय		वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वातस्विक
विद्यार्थियों से फीस			**प्रशिक्षण व्यय**			
शिक्षण फीस	9,450.00		(क) छात्र वृत्तियाँ	50,800.00	34,500.00	33,947.08
प्रवेश फीस	225 00	9,675.00	(ख) रेपरटरी कम्पनी			
मिश्रित आय			(क्षात्रवृत्ति परिवर्धन)	21,20J.00	18,350.00	18,111.68
मिश्रित आय	93.62		(ग) परीक्षकों की फीस	4,500.00	5,000.00	4,959.00
मिश्रित आय (प्रकाशन)	885.33		(घ) वर्कशाप की सामग्री	7.500.00	9,000.00	7,697.98
सामग्री की बिक्री	262.00		(ङ) पुरस्कार और डिप्लोमा	1,000.00	200.00	156.08
प्रास्पेक्टस की बिक्री	395.50		(च) नाट्य-प्रस्तुतीकरण (प्रशिक्षण)	35,000.00	38,000.00	35,599.26
टिकटों की बिक्री	7,368 00		(छ) वेष-सज्जा सामग्री	3,000.00	1,300.00	1,069.34
विवरणिका की बिक्री	133.50		(ज) विशिष्ट भाषण	2,000.00	2,000.00	1,964.40
पुस्तकालय दंड	16.25		(झ) अनुवाद शुल्क और रायल्टी	5,C0J.00	1,500.00	800.00
छात्रवृत्ति की वसूली	1,200.00		(ञ) अन्य खर्चे	300.00	300.00	232.00
सिक्किम-यात्रा	689.23		(ट) अंश कालिक पाठ्यक्रम	5,000.00	—	—
कलकत्ता-यात्रा	2,188.95					
सी० जी० एस० एस०			कुल प्रशिक्षण व्यय	1,35300.00	1,10,150.00	1,04,536.82
की वसूली	756.75	13,989.13				

आय		वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
भविष्य निधि			पुस्तकालय	12,000.00	14,000.00	12,007.23
कर्मचारी और विद्यालय			प्रकाशन			
अंशदान	21,906.00		(थिएटर इम्पेक्ट पत्रिका)	2,000.00	1,000.00	912.24
संगीत नाटक अकादेमी			**फर्नीचर और उपकरण**			
भविष्य निधि	9,738.30		(क) कार्यालय फर्नीचर और उपकरण	2,500.00	3,000.00	2,907.58
भविष्य निधि पर ब्याज	14,674.00	46,318.30	(ख) उपकरण प्रशिक्षण			
पेशगियाँ			(1) रंगमंच सामग्री और सम्पत्ति	1,500.00	500.00	266,26
त्यौहार पेशगियां	1,070.00		(2) पोशाक	800.00	500.00	—
सं० ना० अ० भविष्य			(3) वेश सज्जा	1,300.00	200.00	167.30
निधि पेशगियाँ	16,232.00		(4) ध्वनि, आवाज और संगीत	6,000.00	6,909.00	5,679.60
स० ना० अ० सवारी			(5) प्रकाश	2,500.00	5,500.00	5,452.03
पेशगियाँ	400.00		(6) वर्कशाप	1,000.00	2,000.00	1,106.35
भविष्य निधि पेशगियाँ	9,678.00		(7) फ़ोटोग्राफ़ी	1,000.00	1,000.00	—
भविष्य निधि पेशगियों			(8) प्रेक्षागृह	1,500.00	200.00	196.00
पर ब्याज	395.00		(9) पुस्तकालय	250.00	3,000.00	2,406.38
सवारी पेशगियाँ	2,688.00		(10) मिश्रित	200.00	600.00	509.08
सवारी पेशगियों पर						
ब्याज	9.00	**30,472.00**	फर्नीचर और उपकरण पर कुल व्यय	18,550.00	23,400.00	18,690.58

आय		वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
उचन्त सामान्य			समिति के सदस्यों को यात्रा और			
उचन्त	4,975.34		दैनिक भत्ता	5,000.00	2,500.00	1,368.20
आयकर	7,544.50		लेखा-परीक्षा शुल्क	1,500.00	1,000.00	925.00
पेशगियाँ	23 485.19		त्योहार पेशगियाँ	1,200.00	2,320.00	1,775.00
यात्रा और दैनिक भत्ता			जमानत जमा (एन० डी०			
पेशगियाँ	300 00		एम० सी० आदि)	—	1,000.00	829.00
एल० टी० सी० पेशगियाँ	997.00		खुला रंगमंच	4,500.00	7,500.00	7,373.41
चंडीगढ़ प्रदर्शन उचन्त	1,811.93					
विद्यार्थियों से पेशगियाँ	2,943.99			4,68,000.00	5,25,000.00	4,94,632.75
अवितरित वेतन	11,748.71		**उचन्त सामान्य**			
अवितरित छात्र वृत्तियाँ	3,847.97		उचन्त	4,899.07		
सामान्य भविष्य निधि			आयकर	7,544.50		
(ए० जी० सी० आर)	792.00	58,446.63	पेशगियाँ	23,485.19		
			यात्रा दैनिक भत्ता पेशगियाँ	300.00		
		6,47,381.73	एल० टी० सी० पेशगियाँ	997.00		

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		विद्यार्थियों की पेशगियाँ	4,014.36		
		अवितरित छात्रवृत्तियाँ	3,687.63		
		अवितरित वेतन	11,748.71		
		सामान्य भविष्य निधि (ए० जी० सी० आर०)	792.00		
		संगीत नाटक अकादेमी उचन्त	8.85		
		चंडीगढ़ उचन्त	1,811.93		
		अवितरित मजदूरी	16.00		
		छात्रवृत्ति उचन्त	1,050.00		60,355.24
		पेशगियाँ			
		सवारी	200.00		
		भविष्य निधि	16,232.00		
		सं० ना० अ० सवारी पेशगी	2,897.00		19,329.00
		सं० ना० अ० भविष्य निधि			
		भविष्य निधि			43,863.00
		कर्मचारियों को लौटाई रकम			12,528.30

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		हाथ में शेष			
		हाथ में नकदी	355.65		
		स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का			
		चालू खाता-1	15,994.21		
		फ्रैंकिंग मशीन में डाक टिकट	323.58		16,673.44
कुल योग	6,47,381.73				6,47,381.73

हस्ताक्षर—एस० पी० अस्थिर
लेखा और प्रशासन अधिकारी

हस्ताक्षर—ई० अलकाज़ी
निदेशक

परिशिष्ट 6 क

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय तथा एशियाई रंगमंच संस्थान, नई दिल्ली

1-4-69 से 31-3-70 तक राज्य छात्रवृत्तियों, भारत सरकार की छात्रवृत्तियों, छात्रों की जमा जमानत और अन्य प्रत्यर्पणीय राशियों की आय और व्यय सबंधी लेखा

आय		वास्तविक	व्यय		
1-4-69 को रोकड़ जमा					
स्टेट बैंक आव इंडिया					
का चालू खाता-2		7,026.07			
भारत सरकार की छात्र वृत्ति			**भारत सरकार की छात्रवृत्ति**		
द्वितीय वर्ष	3,605.37		द्वितीय वर्ष	3,823.71	
तृतीय वर्ष	5,250.00	8,855.37	तृतीय वर्ष	5,000.00	8,823.71
छात्र वृत्ति उचन्त			**छात्रवृत्ति उचंत**		
अफ़गान छात्र के लिए			अफ़गान छात्र को अदा की		
प्राप्त राशि		5,010.00	गई रकम	2,411.30	2,411.30

आय	वास्तविक	व्यय		
जम्मू और कश्मीर अकादेमी छात्रवृत्ति	6,491.68	जम्मू और कश्मीर अकादेमी छात्रवृत्ति		6,659.31
छात्रों की जमानत	630.00	छात्रों की जमानत		140.00
रेपरटरी कर्मचारियों की जमाराशि	1,040.00	रेपरटरी कर्मचारियों की जमा राशि		1,200.00
उचन्त	179.45	उचन्त		239.45
छात्रों की पुस्तक संबंधी जमानत	115.00	छात्रों की पुस्तक सम्बन्धी जमानत		100.00
पारस्परिक छात्रवृत्ति परियोजना	3,145.00	पारस्परिक छात्रवृत्ति परियोजना		001.47
		हाथ में शेष		
		हाथ में नकदी	15.00	
		स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया का चालू खाता-2	11426.87	11,441.87
कुल योग	32,492.57	कुल योग		32,492.57

एस० पी० अस्थिर
लेखा और प्रशासन अधिकारी

ई० अलकाज़ी
निदेशक

परिशिष्ट 7

जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल

1-4-69 से 31-3-70 तक आय और व्यय का लेखा

आय		व्यय	
रोकड़ जमा			
31-3-69 को व्यय न की गई राशि		कर्मचारियों के वेतन और भत्ते	64,692.70
(1) बैंक में जमा	4,969.70	भविष्य निधि में अंशदान	2,674.00
(2) हाथ में नकदी	51.00	अन्य खर्चे	3,320.91
मणिपुर सरकार से प्राप्त अनुदान	10,000.00	फर्नीचर और शिक्षण-उपकरण	1951.67
संगीत नाटक अकादेमी से प्राप्त अनुदान	70,000.00	पुस्तकालय और प्रकाशन	391.50
मंच तथा प्रेक्षागृह के भाड़े से प्राप्त राशि	300.00	प्रकाश, लेखन-सामग्री, टिकटें, जल-कर (टेलीफोन किराया सहित)	1,214.35
छात्रों से प्राप्त प्रवेश तथा शिक्षण शुल्क	176.00	पोशाकों और वाद्य यंत्रों की खरीद और मरम्मत	2,455.05
सं० ना० अ० के लिए पोशाक और (लोक)		नृत्य प्रदर्शनों पर खर्च	1,818.05
वाद्ययंत्रों की खरीद के लिए सं० ना० अ०		छात्रवृत्तियाँ	4,400100
द्वारा लौटाई गई राशि का बकाया	562.60	त्यौहार पेशगियाँ	1,100.00

आय		व्यय	
त्योहार पेशगी की वसूली	719.00	बैंक कमीशन	32.45
गांधी-शताब्दी समारोह के सिलसिले में "चंडालिका" के प्रदर्शन के लिए गांधी शताब्दी समारोह की राज्य स्तरीय समिति से वसूल की गई राशि	600.00	प्रतिनियुक्ति पर आए एक प्रवर लिपिक के छुट्टी के वेतन और पेन्शन-अंशदान पर खर्च	824.40
अतिरिक्त निकासी	3.08		
छात्रों द्वारा अभिनीत रेडियो-नाटक से प्राप्त फीस	100.00		
हाथ में नकदी			
(1) श्री एस० कुञ्चंद्र सिंह का दो माह का एल० एस० और पी० अंशदान जो बैंक से निकाला गया लेकिन 31-3-70 तक जमा नहीं किया गया	181.65		
(2) अतिरिक्त बैंक निकासी जो बैंक में जमा करनी है	131.05		

आय		व्यय	
(3) जमा न की गई प्रवेश और शिक्षण शुल्क	355.00		
कुल योग	88,149.08		84,875.53

कुल आय 88,149.08 रुपए
कुल व्यय 84,875.53 रुपए

3,273.55 (31-3-70 को खर्च न की गई राशि)

तीन हजार दो सौ तिहत्तर रुपए और पचपन पैसे

हस्ताक्षर—सचिव
जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी,
इम्फाल